सान्ध्य हिन्दी दैनिक | जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 03 | अंक - 42 | जौनपुर, शनिवार, 28 सितम्बर 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

झारखंड में लोगों को गुमराह करने के लिए भाजपा पाखंडियों को ला रही – कल्पना

झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) नेता कल्पना सोरेन ने बृहस्पतिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की आलोचना करते हुए उस पर विधानसभा चुनाव से पहले लोगों को गुमराह करने के लिए राज्य में 'पाखंडियों' को लाने का आरोप लगाया। कल्पना सोरेन ने पूर्वी सिंहभूम जिले के बहरागोड़ा में एक रैली को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि भाजपा ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के साहस के सामने 'आत्मसमर्पण' कर दिया है। भारी बारिश के बीच रैली में बड़ी संख्या में पहुंची महिलाओं का अभिनंदन करते हुए गांडेय विधायक ने कहा कि 'मैया सम्मान योजना' के तहत मौद्रिक सहायता राशि लाभार्थियों के बैंक खातों में विधिवत जमा कराई जा रही है। उन्होंने कहा, ''चाहे बारिश हो या चक्रवात, बहनों के सम्मान और स्वाभिमान के लिए हमारा प्रयास नहीं रुकेगा।'' बाद में 'एक्स' पर एक पोस्ट में कल्पना सोरेन ने कहा, ''हेमंत की हिम्मत के आगे भाजपा ने घुटने टेक दिए हैं, यही वजह है कि अलग–अलग राज्यों से पाखंडी लोग झारखंड आ गए हैं और नफरत फैलाने और लोगों को गुमराह करने में लगे हुए हैं।

दुनियाभर के पर्यटकों को लुभा रहा उत्तर प्रदेश

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विश्व पर्यटन दिवस पर प्रदेशवासियों को अपनी शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश आज देश ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया के पर्यटकों को अपनी ओर लुभा रहा है। बीते साल 46 करोड़ से अधिक पर्यटक उत्तर प्रदेश आए। यूपी धार्मिक, आध्यात्मिक, हेरिटेज और ईको टूरिज्म का हब बन चुका है। उन्होंने उम्मीद जताई है कि अगले साल मकर संक्रांति से 26 फरवरी तक प्रयागराज में लगने वाले महाकुंभ 2025 के दौरान 40 करोड़ से अधिक श्रद्धालु आएंगे। सीएम योगी शुक्रवार को अपने

सरकारी आवास पर मीडिया से बात कर रहे थे। विरासत और विकास का बेहतरीन समन्वय है पर्यटन उन्होंने कहा कि भारत की आध्यात्मिक और धार्मिक परंपरा का हृदय स्थल उत्तर प्रदेश आज देश ही नहीं बल्कि दुनियाभर के पर्यटकों को लुभाने में सफल हुआ है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजनरी नेतृत्व में गत वर्ष यूपी में 46 करोड़ से अधिक पर्यटकों ने यूपी के अलग अलग धार्मिक आध्यात्मिक, ईको टूरिज्म या हेरिटेज टूरिज्म के साइट्स का भ्रमण किया है। ये पर्यटक यूपी के अंदर केवल पर्यटन की दृष्टि से नहीं आते बल्कि रोजगार सृजन में भी इनकी बड़ी भूमिका है। पर्यटन गतिविधियां विरासत और विकास के बेहतरीन समन्वय को आगे बढ़ाने का काम करती हैं। स्पिरिच्युअल टूरिज्म की दृष्टि से देखें तो रामायण सर्किट, कृष्ण सर्किट, बुद्धिस्ट सर्किट, जैन सर्किट आदि हमारे पास हैं। आज काशी में बाबा विश्वनाथ धाम करोड़ों पयर्टकों को आकर्षित कर रहे हैं। अयोध्या, वृंदावन, गोकुल, बरसाना ने दुनिया भर के पर्यटकों को आकर्षित किया है। उन्होंने बताया कि बौद्ध पर्यटन की दृष्टि से सारनाथ, कुशीनगर, श्रावस्ती, कौशाम्बी, संकिसा दुनिया भर के बौद्ध श्रद्धालुओं को आकर्षित कर रहा है। वहीं जैन टूरिज्म की दृष्टि से यूपी में अनेक संभावनाएं हैं। अयोध्या जैन तीर्थंकरों की जन्मस्थली है, काशी की पावन धरा पर अनेक जैन तीर्थंकर अवतरित हुए थे। कुशीनगर की पावा नगरी जैन तीर्थंकरों की पावन धरा के रूप में आज भी हमारे लिए पूज्य बनी हुई है। विश्व का सबसे बड़ा आध्यात्मिक और सांस्कृतिक आयोजन प्रयागराज कुंभ दुनियाभर के श्रद्धालुओं को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। ऐसे ही हेरिटेज टूरिज्म की दृष्टि से देखें तो झांसी में लक्ष्मीबाई का किला, बांदा में कालिंजर का किला, आगरा का लालकिला और रेड फोर्ट, फतेहपुर सीकरी, प्रयागराज का किला, रामनगर वाराणसी का किला, मिर्जापुर में चुनार किला और लखनऊ का इमामबाड़ा के रूप में एक लंबी परंपरा है। ईको टूरिज्म का तो यूपी हब ही है। चाहे दुध ावा हो, चूका हो, कतर्नियाघाट, हस्थिनापुर, सूर्य सरोवर, सोनभद्र का सलखन, ओखला बर्ड सेंचुरी हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि डबल इंजन की सरकार पर्यटकों की सुविधा और रुचि के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। आज यूपी अपनी बेहतरीन कनेक्टिविटी के लिए जाना जाता है। रोड, रेल, वाटर और एयर कनेक्टिविटी हमारे पास मौजूद है। आज हम विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर झांसी में समारोह से जुड़ रहे हैं, तो वहीं 2025 में मकर संक्रांति से लेकर 26 फरवरी तक प्रयागराज में लगने वाले महाकुंभ में भी दुनियाभर के 40 करोड़ श्रद्धालु भाग लेकर यूपी की इस अमूर्त सांस्कृतिक ध ारोहर के प्रति पूरे विश्व को आकर्षित करेंगे। सीएम योगी ने विश्वास व्यक्त किया कि पीएम मोदी के विजन के अनुरूप देश और दुनिया को अपनी ओर आकर्षित करने और यूपी को एक बेहतरीन टूरिज्म डेस्टिनेशन के रूप में आगे बढ़ाने के लिए प्रदेश सरकार कामयाब होगी।

देश में राजनीति का मतलब अब सिर्फ 'सत्ता की राजनीति' रह गया – गडकरी

मुंबई, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि राजनीति वास्तव में समाज सेवा, राष्ट्र निर्माण और विकास का पर्याय है, लेकिन वर्तमान समय में इसका मतलब केवल सत्ता की राजनीति है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता गडकरी यहां राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े के अभिनंदन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, ''राजनीति में विचारों में मतभेद की समस्या नहीं, बल्कि विचारों की कमी की समस्या है। राजनीति का अर्थ है 'समाजकरण (समाज सेवा), राष्ट्रकरण (राष्ट्र निर्माण) और विकासकरण (विकास)'। लेकिन अब राजनीति की परिबदलकर 'सत्ताकरण (सत्ता की राजनीति)' ही रह गई है। गडकरी ने कहा, ''पहले, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) कार्यकर्ता के रूप में काम करते समय, हमें कई बाधाओं का सामना करना पड़ा। कोई पहचान और सम्मान नहीं था। हरिभाऊ बागड़े ने लोगों के कल्याण के लिए समर्पण के साथ काम किया...मैंने पार्टी कार्यकर्ता के रूप में 20 वर्ष तक विदर्भ की यात्रा की और काम किया।''उन्होंने कहा, ''लोग हमारी रैलियों पर पत्थर फेंकते थे। आपातकाल के बाद जिस ऑटोरिक्शा का इस्तेमाल मैं घोषणाएं करने के लिए करता था, लोगों ने उसे जला दिया था।'' सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री ने कहा, ''अब हजारों लोग मुझे सुनने आते हैं। लेकिन यह लोकप्रियता मेरी नहीं है।

झारखंड में भाजपा की सरकार बनते ही 2.87 लाख नौकरियां देंगे - शिवराज चौहान

झारखंड, एजेंसी। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने झारखंड के युवाओं से वादा किया है कि भाजपा की सरकार बनते ही कैबिनेट की पहली बैठक में 2 लाख 87 हजार 400 रिक्त पदों पर नियुक्ति का निर्णय लिया जाएगा। लातेहार जिले के महुआडांड़ में भाजपा की श्परिवर्तन यात्राश के दौरान जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा जो कहती है, वह करके दिखाती है। उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन की सरकार ने पहले ही साल एक लाख नौकरियां देने का वादा किया था, लेकिन युवाओं को एक ध ेला नहीं दिया। पेपर लीक से 17–17 बार परीक्षा कैंसिल हुए। जेएमएम झारखंड मुक्ति मोर्चा नहीं, पेपर लीक मोर्चा बन गई है। झारखंड में दलाल

नौजवानों के सपनों के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। शिवराज सिंह चौहान ने झारखंड की 'मंईयां सम्मान योजना' पर जेएमएम सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि यह तो हमारा प्रोजेक्ट है, हेमंत सोरेन चुनाव से पहले लाडली बहना योजना की नकल कर रहे हैं। हमारा घोषणा पत्र आने वाला है। ये सुनिश्चित है कि हरियाणा में जैसे हमने घोषणा पत्र बांटा, उसमें बहनों के बैंक खाते में 2,100 रुपए हर माह डालने का संकल्प व्यक्त किया है। जम्मू–कश्मीर में हमने कहा, बैंक अकाउंट में पैसे भेजेंगे, उसी तरह झारखंड में भी बहनों के बैंक खाते में हम यही राशि डालेंगे। हेमंत सोरेन सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि पांच साल पहले घोषणा पत्र में 2,000 रुपए चूल्हा खर्च देने का वादा किया गया था।

4 साल 10 महीना चूल्हा खर्च नहीं दिया, अब चुनाव नजदीक है तो सोचा जेब से तो जाएगा नहीं, तो एक–एक हजार रुपए खजाने से भेजना शुरू किया। पहले हेमंत सोरेन हिसाब दें कि 5 साल में 60 महीना होते हैं और 60 महीना में 2,000 रुपए मिलते तो 1 लाख 20 हजार रुपए जाते बहनों के बैंक खाते में। वे एक–एक बहन का 1 लाख 18 हजार खा गए और अब टुकड़े जैसे एक हजार डाल रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने डिस्ट्रिक्ट मिनरल्स फंड बनाए हैं, लेकिन उसकी राशि का यहां उपयोग नहीं हो रहा है।

केजरीवाल और मनीष सिसोदिया राम–लक्ष्मण की जोड़ी – आतिशी

नई दिल्ली, एजेसी। दिल्ली विध ानसभा में दिल्ली की सीएम आतिशी ने अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया को राम–लक्ष्मण की जोड़ी बताया है। अपने संबोधन में आतिशी ने कहा कि आम आदमी पार्टी के लिए बहुत खुशी का दिन है क्योंकि 1.5 साल बाद हमारी पार्टी के राम और लक्ष्मण– अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया दिल्ली विध ानसभा में हैं। लेकिन दुख की बात यह भी है कि बीजेपी की साजिशों के कारण अरविंद केजरीवाल सीएम की कुर्सी पर नहीं बैठ रहे हैं। आतिशी ने आगे कहा कि जब ईडी–सीबीआई दूसरे नेताओं पर रेड मारते हैं तो वहाँ मिले करोड़ों रुपये और गहनों की रंगोली बनाते हैं। लेकिन आप नेताओं के घर, दफ्तर और पुश्तैनी घरों में एक रुपया तक नहीं मिला। फिर भी इन्होंने अरविंद केजरीवाल, शिक्षा क्रांति के जनक मनीष सिसोदिया और मोहल्ला क्लीनिक देने वाले सत्येन्द्र जैन को जेल में डाल दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा की 22 राज्यों में सरकारें हैं लेकिन एक भी राज्य में इन्होंने ना मुफ्त बिजली–पानी दिया, ना स्कूल–अस्पताल दिये, फिर भी इनकी सरकारें घाटे में चलती हैं। उन्होंन दावा किया कि केजरीवाल जी ने दिल्लीवालों को मुफ्त बिजली–पानी दिया, शानदार स्कूल–अस्पताल दिये, महिलाओं को मुफ्त बस सफर और बुजुर्गों को मुफ्त तीर्थ यात्रा की सुविधा दी, फिर भी दिल्ली का बजट मुनाफे में हैं। क्योंकि अरविंद केजरीवाल जी कट्टर ईमानदार हैं।

जम्मू-कश्मीर के युवाओं ने आतंक वाद को नकारा - जेपी नड्डा

जम्मू–कश्मीर, एजेंसी। जम्मू–कश्मीर में अंतिम चरण के चुनाव को लेकर भाजपा अपनी पूरी ताकत लगा रही है। आज भाजपा अध यक्ष जेपी नड्डा ने जम्मू में प्रेस को संबोधित किया। इस दौरान नड्डा ने कहा कि जम्मू–कश्मीर चुनाव के बारे में सबसे बड़ी बात यह है कि यह शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ, जिसमें बूथ–कैप्चरिंग, गोलीबारी या आतंकवादी हमलों का कोई निशान नहीं था। उन्होंने कहा कि चुनाव देखने के लिए दुनिया भर के 16 देशों के राजदूत यहां आए थे। यह एक ऐतिहासिक क्षण है जब जम्मू–कश्मीर के लोग बुलेट के बजाय बैलेट की शक्ति को चुन रहे हैं। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि जम्मू कश्मीर में चुनाव के दो चरण पूरे हो चुके हैं, जो इस बात का प्रतिबिंब हैं कि किस तरीके से जम्मू कश्मीर के लोगों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को प्यार, विश्वास और उनकी नीतियों को अपना समर्थन दिया है। उन्होंने कहा कि ये चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से हुआ है। इस चुनाव में पिछले चुनाव की भांति कोई हिंसा नहीं हुई, कोई बूथ कैप्चरिंग नहीं हुई व्यवस्था पर नियंत्रण और प्रजातंत्र में लोगों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया और इस चुनाव को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न किया। इसके साथ ही नड्डा ने कहा कि मैं ये कह सकता हूं कि

और कोई आतंकी हमला नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि आपको जानकर खुशी होगी कि 16 देशों के एंबेसडर यहां का चुनाव देखने आए थे और उन्होंने देखा कि कैसे यहां की कानून ये एक ऐतिहासिक इवेंट है, जब जम्मू कश्मीर के लोगों ने बुलेट को नकार कर बैलेट का रास्ता चुना है। उन्होंने कहा कि जम्मू औसतन साल में 100 दिन बंद रहता था, पिछले पांच साल में जम्मू न बंद हुआ और न ही कोई हड़ताल हुई। जम्मू–कश्मीर के युवाओं ने आतंकवाद को नकार दिया है। ये बहुत बड़ा परिवर्तन है। अनुच्छेद–370 के समाप्त होने से पहले यहां लगभग 300–400 आतंकवादी पैदा होते थे और उन्हें आतंकी घोषित किया जाता था और आज ये संख्या सिर्फ 4 है।

विपक्ष पर वार करते हुए उन्होंने कहा कि चिंता की बात ये है कि जब युवाओं ने आतंक को नकार दिया, जब यहां के युवा शांति, स्थिरता और विकास की ओर चल पड़ा है, तो PDP, NC और कांग्रेस जैसी विपक्षी पार्टियां आज उन लोगों का साथ दे रही हैं, जो देश के विरोध में काम करते हैं। उन्होंने दावा किया कि NC का घोषणा पत्र कहता है कि हम आतंकवादियों को जेल से रिहा करेंगे। हम LoC से ट्रेड शुरू करेंगे।

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने की नीतीश से मुलाकात

बिहार, एजेंसी। बिहार के सीएम नीतीश कुमार से केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने मुलाकात की है। यह मुलाकात ऐसे समय में हुई है जब बंगाल में बिहारी छात्रों के साथ हुई अभद्रता से राज्य की राजनीति गर्म है। मुलाकात के बाद चिराग पासवान ने कहा कि हमारी बैठक का विषय बिहार में चल रही योजनाएं थी, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण विषय था पश्चिम बंगाल में बिहार के छात्रों के साथ किस तरह क्रूर व्यवहार किया जा रहा है। मैं हमेशा यह मुद्दा उठाता हूं कि दूसरे राज्यों में बिहारियों के साथ कैसा व्यवहार किया जाता है। चिराग ने कहा कि ये बेहद शर्मनाक घटना है, इसका वीडियो 2 दिन से वायरल है। भारत का संविधान यह इजाजत देता है कि कोई भी भारतीय देश के किसी भी कोने में जाकर शिक्षा, रोजगार, व्यवसाय हासिल कर सकता है, इसके बावजूद अगर किसी भी राज्य में ऐसी मानसिकता है तो यह चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि मैंने यह मामला मुख्यमंत्री के समक्ष उठाया। इस पर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव चुप हैं। इस पर मैंने मुख्यमंत्री से चर्चा की। मुझे खुशी है कि स्थानीय प्रशासन ने इसे तुरंत लिया और वहां के प्रशासन से संपर्क किया। मुख्यमंत्री स्वयं इस मामले की निगरानी कर रहे हैं। मुझे उम्मीद है कि उन बच्चों को न्याय मिलेगा।

भविष्य की जंग के लिए तैयार करना होगा कैडर – सीडीएस

नई दिल्ली, एजेंसी। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने शुक्रवार को कहा कि भविष्य के

रणनीतिक नेताओं को प्रौद्योगिकी–संचालित युद्धक्षेत्र में त्वरित निर्णय लेने की क्षमता बढ़ाने की आवश्यकता है, जहां समयसीमा तेजी से कम होती जा रही है। अग्रणी त्रि–सेवा भविष्य युद्ध पाठ्यक्रम के समापन पर अपने संबोधन में जनरल अनिल चौहान ने इस बात पर जोर दिया कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन लर्निंग, स्टील्थ प्रौद्योगिकी और हाइपरसोनिक्स में प्रगति और रोबोटिक्स भी भविष्य के युद्धों के चरित्र को निर्धारित करेंगे। आधुनिक युद्धक्षेत्र की जटिल ताओं से निपटने में सक्षम तकनीक– सक्षम सैन्य कमांडरों का एक कैडर तैयार करना है। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ की तरफ से व्यक्तिगत रूप से संचालित होने के अलावा, पाठ्यक्रम रैंक–अज्ञेयवादी था, जिसमें प्रतिभागियों की सेवा 13 से 30 साल तक थी। मंत्रालय ने कहा, विशिष्ट प्रौद्योगिकियों के प्रसार, युद्ध के बदलते स्वरूप और हाल के और चल रहे संघर्षों से सीखे गए सबक के साथ एक गतिशील सुरक्षा वातावरण भविष्य के नेताओं की तैयारी को आवश्यक बनाता है, जो आध ुनिक युद्ध की बारीकियों को समझने में सक्षम हों। पाठ्यक्रम में भविष्य के युद्ध, भविष्य के रुझान, वायु और अंतरिक्ष युद्ध, गैर–गतिज युद्ध, समुद्री संचालन और बहु–डोमेन संचालन से संबंधित प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया गया। रणनीतिक नेताओं के लिए प्रौद्योगिकी–संचालित युद्धक्षेत्र में त्वरित निर्णय लेने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

कवच पर तेजी से हो रहा काम, पटरियों और सिग्नलों की गुणवत्ता की जांच पर भी हमारा फोकस - रेल मंत्री

नई दिल्ली, एजेंसी। रेल सुरक्षा को लेकर विपक्ष की ओर से उठाई जा रही चिंताओं को दूर करते हुए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि, देशभर में स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली कवच के इंस्टॉलेशन का काम तेजी से चल रहा है। इसके अलावा पटरियों और सिग्नलों की गुणवत्ता की जांच की जा रही है। हाल ही में एक के बाद एक कई रेल दुर्घटनाओं के सामने आने के बाद विपक्ष ने रेल सुरक्षा को लेकर चिंता जाहिर की थी। रेल मंत्री वैष्णव ने कहा कि, अल्ट्रासाउंड जांच से लेकर कोहरे से सुरक्षा देनें वाले उपकरणों को रेल नेटवर्क पर स्थापित किया जा रहा है। पूरे नेटवर्क में नई प्रौद्योगिकी उपकरणों का इस्तेमाल किया जा रहा है। यही नहीं कवच प्रणाली के लिए ड्राइवरों और अन्य कर्मियों को विशेष प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है।

कवच फिट करने के जारी किए गए टेंडर

रेल मंत्री ने कहा कि, सरकार अगले कुछ सालों में एक लाख किलोमीटर से अधिक के पूरे नेटवर्क पर कवच लगाने और 7,000 से अध िक स्टेशनों को इसके तहत कवर करने का लक्ष्य बना रही है। वैष्णव ने कहा कि 10,000 इंजनों और 9,600 किलोमीटर की ट्रैक लंबाई पर श्कवचश फिट करने के लिए निविदाएं पहले ही जारी की जा चुकी हैं। इसके अलावा रेलकर्मियों के प्रशिक्षण के लिए भारतीय रेलवे सिग्नल इंजीनियरिंग और दूरसंचार

संस्थान में पाठ्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। वैष्णव ने रेलवे द्वारा अपनाए जा रहे विभिन्न सुरक्षा उपायों के बारे में भी विस्तार से बात की। उन्होंने बताया कि, पूरे रेल नेटवर्क पर अल्ट्रासाउंड परीक्षण किए जा रहे हैं। अप्रैल तक 1,86,000 (1.86 लाख) किलोमीटर ट्रैक और 11.66 लाख वेल्ड का अल्ट्रासाउंड मशीनों से परीक्षण किया जा चुका है। नई अल्ट्रासाउंड मशीनें भी शुरू की गई हैं, बड़ी संख्या में रेलवे पुलों का जीर्णोद्धार किया गया है और सैकड़ों फ्लाईओवर और अंडरपास बनाए गए हैं। वैष्णव ने आगे कहा कि 5,300 कोहरे सुरक्षा उपकरण लगाए गए हैं और अनुसंधान डिजाइन एवं मानक संगठन द्वारा ट्रैक फिटिंग की गुणवत्ता की जांच की गई है।। इसके अलावा ट्रैकमैन के कठिनाई और जोखिम भत्ते में 25 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। इससे पहले केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को सवाई माधोपुर में ऑटोमैटिक ट्रेन प्रोटेक्शन सिस्टम कवच 4.0 का उद्घाटन कर व्यवस्थाओं का अवलोकन किया।

संपादकीय

भारत पर बढ़ता भरोसा

मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल में भारत के शेयर बाजार ने नई ऊंचाइयों को छुआ है। सरकार की दूरगामी आर्थिक नीतियों और सकारात्मकता का ही परिणाम है कि भारत की मध्यम और छोटी कंपनियां बड़ी कंपनियों की तुलना में अधिक बेहतर प्रदर्शन कर रही हैं। उभरते बाजारों में भारत निवेशकों का पसंदीदा देश बन रहा है। एशिया–प्रशांत क्षेत्र में जापान के बाद भारत निवेशकों का दूसरा सबसे पसंदीदा देश बन गया है। एक सितंबर से 13 सितंबर तक कुल 13 दिनों में विदेशी पोर्टफोलियो निवेश के द्वारा 53 हजार करोड़ का निवेश भारत में हुआ, जिसमें से 28 हजार करोड़ का निवेश शेयर बाजार में हुआ। भारतीय शेयर बाजार में आई तेजी ने न सिर्फ विदेशी, बल्कि घरेलू निवेशकों को भी आकर्षित किया है। पिछले चार वर्षों में भारतीय निवेशकों की संख्या तेजी से बढ़ी है। शेयर बाजार में मिलने वाले अच्छे रिटर्न ने निवेशकों के आत्मविश्वास को बढ़ाया है। परंपरागत क्षेत्रों जैसे सोना और प्रापर्टी में निवेश के अलावा लोगों की शेयर बाजार में भी दिलचस्पी बढ़ी है। अकेले उत्तर भारत के निवेशकों की संख्या लगभग चार गुना बढ़ गई है। इंटरनेट और मोबाइल के प्रसार ने लोगों में शेयर बाजार की जानकारी और निवेश को लेकर जागरूकता बढ़ाई है। आनलाइन ट्रेडिंग प्लेटफार्म और मोबाइल एप की सुगमता ने शेयर बाजार को बहुत आसान बना दिया है। वित्तीय साक्षरता में होने वाली वृद्धि ने भी लोगों को इसमें निवेश करने के लिए प्रेरित किया है। यही कारण है कि इन्वेस्टमेंट रिसर्च फर्म मार्गन स्टैनली कैपिटल इंटरनेशनल के नवीनतम सूचकांक में भारत ने चीन को पछाड़ते हुए पहला स्थान प्राप्त किया है। यह फर्म विभिन्न देशों के आधार पर, क्षेत्रों के आधार पर, उभरते बाजारों आदि के आधार पर अनेकों प्रकार के सूचकांक जारी करता है। इसमें दो सूचकांक सर्वाधिक महत्वपूर्ण हैं। पहला, उभरते बाजार का निवेश योग्य बाजार सूचकांक और दूसरा, उभरते बाजार का मानक सूचकांक। उभरते बाजार के निवेश योग्य बाजार सूचकांक में चीन के 21.58 प्रतिशत वेटेज की तुलना में भारत का वेटेज 22.27 प्रतिशत हो गया है। मार्गन स्टैनली द्वारा बड़ी, मध्यम और छोटी कंपनियों के 3,355 शेयरों के आधार पर 24 उभरते बाजारों का निवेश योग्य बाजार सूचकांक तैयार किया जाता है। उभरते बाजार के मानक सूचकांक में भी भारत ने अपनी महत्वपूर्ण उपस्थिति दर्ज कराई है। इस सूचकांक में बड़ी और मध्यम कंपनियों के शेयर शामिल होते हैं। माना जा रहा है कि इस साल के अंत तक उभरते बाजार के मानक सूचकांक में भी भारत चीन को पीछे छोड़ देगा, क्योंकि पिछले दिनों चीन के खराब प्रदर्शन करने वाले लगभग 60 स्टाक को इसमें से हटा दिया गया, जबकि भारत के अच्छा प्रदर्शन करने वाले सात स्टाक को इसमें जोड़ा गया। इसके बाद भारत का वेटेज जहां 84 प्रतिशत बढ़ा है, वहीं चीन के वेटेज में 50 प्रतिशत की गिरावट आई है। वर्तमान में चीन का वेटेज 23.7 प्रतिशत है और भारत का प्रतिशत 20.6 प्रतिशत है। 2021 की शुरुआत में भारत का वेटेज 9.2 प्रतिशत था, जो चीन के 38.7 प्रतिशत वेटेज के एक–चौथाई से भी कम था। यह पुनर्संतुलन व्यापक बाजार रुझानों को दर्शाता है। जहां चीन आर्थिक चुनौतियों और विनियामक कार्रवाइयों से जूझ रहा है, वहीं अनुकूल आर्थिक स्थितियों से भारत को काफी लाभ हुआ है। इस समय चीन का कुल बाजार पूंजीकरण 8.14 लाख करोड़ डालर है, जो भारत के 5.03 लाख करोड़ डालर से 60 प्रतिशत अधिक है। मार्गन स्टैनली के दोनों सूचकांकों में भारत के वेटेज का बढ़ना यह सिद्ध करता है कि वैश्विक मंच पर भारत की साख बढ़ रही है। सरकार की अनुकूल नीतियों के चलते भारतीय अर्थव्यवस्था की बुनियाद मजबूत हो रही है और भारतीय कंपनियां प्रभावशाली प्रदर्शन कर रही हैं। इन सबके कारण इक्विटी बाजार लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। देश न सिर्फ निरंतर आर्थिक प्रगति कर रहा है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय निवेशक समुदाय को भी लुभा रहा है। भारत के मैक्रो अर्थशास्त्र के विभिन्न पक्ष जैसे मौद्रिक और राजकोषीय घाटा आदि पहलुओं पर भी अनुकूल स्थितियां हैं। साल 2024 की शुरुआत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआइ) में 47 प्रतिशत की वृद्धि, कच्चे तेल की कीमतों में कमी, भारतीय ऋण बाजारों में पर्याप्त विदेशी पोर्टफोलियो निवेश (एफपीआइ) आदि ऐसे सकारात्मक रुझान प्रमुख कारक रहे हैं। इस सकारात्मकता के कारण ही घरेलू निवेशकों द्वारा भी तुलनात्मक रूप से अधिक पैसा शेयर बाजार में निवेश किया जा रहा है। भारत का वेटेज चीन से ज्यादा होने से एवं अमेरिका में मंदी आने की आहट से विदेशी निवेशकों का आज भारतीय कंपनियों पर भरोसा तेजी से बढ़ रहा है। एक अनुमान के अनुसार मार्गन स्टैनली के सूचकांकों में होने वाले इस बदलाव से भारतीय इक्विटी बाजार में 35 हजार करोड़ से 40 हजार करोड़ तक की पूंजी आ सकती है, जिससे आर्थिक वृद्धि को और अधिक प्रोत्साहन मिलेगा। आने वाले समय में छोटी और मध्यम कंपनियों के शेयर बड़ी कंपनियों की तुलना में अधिक तेजी से बढ़ने की संभावना है। भारतीय बाजारों के बढ़ते महत्व को बनाए रखने के लिए और देश के आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए घरेलू और विदेशी, दोनों प्रकार की पूंजी पर विशेष बल देना होगा। 2047 तक भारत को विकसित देशों में शामिल करने के लिए एक अपेक्षित निवेश की गति को बनाए रखना होगा। निवेशकों की निरंतरता एवं वैश्विक बाजार में भारत के भरोसे को बनाए रखने के लिए सकारात्मक दीर्घकालिक प्रवृत्ति के ढांचे को विकसित करना होगा।

शक्तिशाली देशों की सूची में भारत पहुंचा तीसरे स्थान पर

प्रह्लाद

आस्ट्रेलिया के एक संस्थान, लोवी इन्स्टिटयूट थिंक टैंक, ने हाल ही में एशिया में शक्तिशाली देशों की एक सूची जारी की है। "एशिया पावर इंडेक्स 2024" नामक इस सूची में भारत को एशिया में तीसरा सबसे बड़ा शक्तिशाली देश बताया गया है। वर्ष 2024 के इस इंडेक्स में भारत ने जापान को पीछे छोड़ा है। इस इंडेक्स में अब केवल अमेरिका एवं चीन ही भारत से आगे है। रूस तो पहिले से ही इस इंडेक्स में भारत से पीछे हो चुका है। इस प्रकार अब भारत की शक्ति का आभास वैश्विक स्तर पर भी महसूस किया जाने लगा है। एशिया पावर इंडेक्स 2024 के प्रतिवेदन में बताया गया है कि वर्ष 2023 के इंडेक्स में भारत को 36.3 अंक प्राप्त हुए थे जो वर्ष 2024 के इंडेक्स में 2.8 अंक से बढ़कर 39.1 अंकों पर पहुंच गए हैं एवं भारत इस इंडेक्स में चौथे स्थान से तीसरे स्थान पर आ गया है। एशिया पावर इंडेक्स 2024 को विकसित करने के लिए कुल 27 देशों और क्षेत्रों से प्राप्त आंकड़ों का आंकलन एवं सूक्ष्म विश्लेषण किया गया है। एशिया में जो नए शक्ति समीकरण बन रहे हैं उनका ध्यान भी इस इंडेक्स में रखा गया है तथा विभिन्न मापदंडों पर आधारित पिछले 6 वर्षों के आकड़ों का विश्लेषण कर यह इंडेक्स बनाया गया है। आर्थिक क्षमता, सैन्य (मिलिटरी) क्षमता, अर्थव्यवस्था में लचीलापन, भविष्य में संसाधनों की उपलब्धता, कूटनीतिक, राजनयिक एवं आर्थिक सम्बंध एवं सांस्कृतिक प्रभाव जैसे मापदंडो पर उक्त 27 देशों एवं क्षेत्रों का आंकलन कर विभिन्न देशों को इस इंडेक्स में स्थान प्रदान किया गया है। उक्त इंडेक्स में अमेरिका, 81.7 अंकों के साथ प्रथम स्थान पर है। चीन 72. 7 अंकों के साथ द्वितीय स्थान पर है। भारत ने इस इंडेक्स में 39.1 अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया है। जापान को 38.9 अंक, आस्ट्रेलिया को 31.9 अंक एवं रूस को 31.1 अंक प्राप्त हुए हैं एवं इन देशों का क्रमशः चतुर्थ, पांचवा एवं छठवां स्थान रहा है। इस इंडेक्स में प्रथम 5 स्थानों में से 4 स्थानों पर "क्वाड" के सदस्य देश हैं – अमेरिका, भारत, जापान एवं आस्ट्रेलिया। एशिया में अमेरिका की लगातार बढ़ती मजबूत ताकत के चलते उसे इस इंडेक्स में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। जबकि, चीन की मजबूत मिलिटरी ताकत के चलते उसे इस इंडेक्स में द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ है। जापान के इस इंडेक्स में तीसरे से चौथे स्थान पर आने के कारणों में मुख्य कारण उसकी आर्थिक स्थिति में लगातार आ रही गिरावट है। भारत ने चौथे स्थान से तीसरे स्थान पर छलांग लगाई है। आर्थिक क्षमता एवं भविष्य में संसाधनो की उपलब्धता के क्षेत्र में भारत को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ है। साथ ही, सैन्य क्षमता, कूटनीतिक, राजनयिक एवं आर्थिक सम्बंध के क्षेत्र एवं सांस्कृतिक प्रभाव के क्षेत्र में भारत को चौथा स्थान प्राप्त हुआ है। अब केवल अमेरिका और चीन ही भारत से आगे हैं एवं जापान, आस्ट्रेलिया एवं रूस भारत से पीछे हो गए हैं। जबकि, कुछ वर्ष पूर्व तक विश्व की महान शक्तियों में भारत का कहीं भी स्थान नजर नहीं आता था। केवल अमेरिका, रूस, चीन, जापान, ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रान्स आदि देशों को ही विश्व में महाशक्ति के रूप में गिना जाता था। अब इस सूची में भारत तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। उक्त इंडेक्स तैयार करते समय आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड आदि अन्य शक्तिशाली देशों का भी आंकलन किया गया है। साथ ही, विश्व में तेजी से बदल रहे शक्ति के नए समीकरणों का भी व्यापक आंकलन किया गया है। इस आंकलन के अनुसार अमेरिका अभी भी एशिया में सबसे बड़ी आर्थिक ताकत बना हुआ है। चीन तेजी से आगे बढ़कर दूसरे स्थान पर आया है। तेजी से बढ़ती सेना एवं आर्थिक तरक्की चीन की मुख्य ताकत है। उक्त प्रतिवेदन में यह तथ्य भी बताया गया है कि उभरते हुए भारत से अपेक्षाओं एवं वास्तविकताओं में अंतर दिखाई दे रहा है। इस प्रतिवेदन के अनुसार, भारत के पास अपने पूर्वी देशों को प्रभावित करने की सीमित क्षमता है। परंतु, वास्तविकता इसके ठीक विपरीत है। भारत अपने पड़ौसी देशों नेपाल, भूटान, श्रीलंका, बंगलादेश, म्यांमार एवं अफगानिस्तान, आदि की विपरीत परिस्थितियों के बीच भारी मदद करता रहा है। आसियान के सदस्य देशों की भी भारत समय समय पर मदद करता रहा है, एवं इन देशों का भारत पर अपार विश्वास रहा है। कोरोना के खंडकाल में एवं श्रीलंका, म्यांमार तथा अफगानिस्तान में आए सामाजिक संघर्ष के बीच भारत ने इन देशों की मानवीय आधार पर भरपूर आर्थिक सहायता की थी एवं इन्हें अमेरिकी डॉलर में लाइन आफ क्रेडिट की सुविधा भी प्रदान की थी ताकि इनके विदेशी व्यापार को विपरीत रूप से प्रभावित होने से

बचाया जा सके। उक्त प्रतिवेदन के अनुसार भारत के पास भारी मात्रा में संसाधन मौजूद हैं एवं जिसके बलबूते पर आगे आने वाले समय में भारत के आर्थिक विकास को और अधिक गति मिलने की अपार सम्भावनाएं मौजूद हैं। साथ ही, भारत अपने पड़ोसी देशों की आर्थिक स्थिति सुधारने की भी क्षमता रखता है। भारत ने हाल ही के वर्षों में उल्लेखनीय आर्थिक सुधार कार्यक्रम लागू किए हैं। जिसके चलते लगातार तेज हो रहे आर्थिक विकास के बीच सकल घरेलू उत्पाद की स्थिति और बेहतर हो रही है तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की मान्यता बढ़ रही है। साथ ही, बहुपक्षीय मंचों पर भी भारत की सक्रिय भागीदारी बढ़ती जा रही है। भारत ने पिछले कुछ वर्षों में एशिया के कई देशों के साथ अपने सम्बंधों को मजबूत किया है। अब तो अफ्रीकी देशों का भी भारत पर विश्वास बढ़ता जा रहा है एवं भारत में ग्लोबल साउथ का नेतृत्व करने की अपार सम्भावनाएं मौजूद हैं। भारत में हाल ही में अपनी कूटनीतिक एवं राजनयिक क्षमता में भी भरपूर सुधार किया है एवं इसके बल पर वैश्विक स्तर पर न केवल विकसित देशों बल्कि विकासशील देशों को भी प्रभावित करने में सफल रहा है। यूक्रेन एवं रूस युद्ध के समय केवल भारत ही दोनों देशों के साथ चर्चा कर पाता है एवं युद्ध को समाप्त करने का आग्रह दोनों देशों को कर पाता है। इसी प्रकार, इजराईल एवं हमास युद्ध के समय भी भारत दोनों देशों के साथ युद्ध समाप्त करने की चर्चा करने में अपने आप को सहज एवं सक्षम पाता है। आपस में युद्ध करने वाले दोनों देश भारत की सलाह को गम्भीरता से सुनते नजर आते हैं। भारत ने कभी भी विभिन्न देशों के आंतरिक स्थितियों पर अपनी विपरीत राय व्यक्त नहीं की है और न ही कभी उनके आंतरिक मामलों में कभी हस्तक्षेप किया है। इस दृष्टि से वैश्विक पटल पर भारत की यह विशिष्ट पहचान एवं स्थिति है। दक्षिण एशिया के देशों में चीन अपना प्रभाव बढ़ाने का प्रयास कर रहा है इसलिए भारत का पूरा ध्यान इस क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव को कम कर अपने प्रभाव को बढ़ाना है। इसी मुख्य कारण से शायद भारत दक्षिण एशिया के देशों पर अधिक ध्यान देता दिखाई दे रहा है। जिसका आशय उक्त प्रतिवेदन में यह लिया गया है कि विश्व के अन्य देशों को सहायता करने की भारत की क्षमता तो अधिक है परंतु अभी उसका उपयोग भारत नहीं कर पा रहा है। हिंद महासागर पर भारत का ध्यान अधिक है और क्वाड के सदस्य देश मिलकर भारत की इस दृष्टि से सहायता भी कर रहे हैं। दक्षिण एशियाई देशों के अलावा विश्व के अन्य देशों की मदद करने के संदर्भ में भारत ने हालांकि अभी हाल ही के समय में बढ़त तो बनाई है परंतु अभी और अधिक प्रयास करने की आवश्यकता है।

भारत में आगे बढ़ने की अपार सम्भावनाएं मौजूद हैं। उक्त प्रतिवेदन में भारत को एशिया को तीसरा सबसे बड़ा ताकतवर देश बताया गया है परंतु वस्तुतः भारत अब एशिया का ही नहीं बल्कि विश्व का तीसरा सबसे बड़ा ताकतवर देश बन गया है क्योंकि इस सूची में एशिया के बाहर से अमेरिका को भी एशिया में पहिले स्थान पर बताया गया है। एक अन्य अमेरिकी थिंक टैंक का आंकलन है कि भारत यदि इसी रफ्तार से आगे बढ़ता रहा तो इस शताब्दी के अंत तक भारत, चीन एवं अमेरिका को भी पीछे छोड़कर विश्व का सबसे अधिक शक्तिशाली देश बन जाएगा।

विकास के लिए सरकार देर रही उद्यमशीलता को बढ़ावा

रमेश

तीसरे कार्यकाल में मोदी सरकार की स्थिरता पर संदेह प्रकट करने वालों को निराशा हाथ लगी है। पहले सौ दिनों में ही सरकार ने 15 लाख करोड़ रुपये से अधिक की योजनाओं को मंजूरी दी। सरकार का पूरा जोर सरकारी कामकाज के तरीके में बड़े सुधार और गुड गवर्नेंस को जमीनी स्तर तक ले जाने पर है। इसके लिए वह भूमि रिकार्ड से लेकर सरकारी कामकाज के डिजिटलीकरण पर फोकस कर रही है, ताकि योजनाओं का लाभ आम आदमी तक पहुंचे। इसीलिए सरकारी योजनाओं की रूपरेखा तय करने, योजनाओं के क्रियान्वयन की प्रक्रिया के डिजिटलीकरण के साथ–साथ उसकी मानिटरिंग और नौकरशाही की जवाबदेही तय करने के लिए नए मानक निर्धारित किए गए हैं। सरकार के तीसरे कार्यकाल की जो उपलब्धियां आज दिख रही हैं, उसकी कवायद लोकसभा चुनाव घोषित होने के पहले से ही शुरू कर दी थी। इस साल फरवरी में प्रधानमंत्री मोदी ने मंत्रियों से कहा था कि वह अगले पांच साल का रोडमैप और सौ दिनों का एक्शन प्लान बनाएं। एक्शन प्लान लागू करने के लिए सचिवों की दस समितियां बनाई गईं। सभी मंत्रालयों से रिपोर्ट मांगी गईं। राज्य सरकारों से भी सलाह ली गई। कारोबारियों, सिविल सोसायटी और युवाओं से भी सुझाव मांगे गए। इसके लिए दो हजार से अधिक बैठकें की गईं। इन सभी के निष्कर्ष से एक्शन प्लान का रोडमैप बना। सरकार कृषि क्षेत्र में उद्यमशीलता को बढ़ावा दे रही है, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि आधारित उद्योग–धंधों का विकास हो। इसी को देखते हुए कृषि आधारभूत ढांचा फंड का विस्तार किया गया है। गत दिनों इसके तहत सात योजनाओं के लिए 14,200 करोड़ रुपये जारी किए गए। इसमें डिजिटल कृषि मिशन के लिए 2,817 करोड़ रुपये, फसल विज्ञान पर 3,979 करोड़ रुपये, कृषि शिक्षा एवं प्रबंधन को बेहतर करने के लिए 2,291 करोड़ रुपये और पशु स्वास्थ्य के लिए 1,702 करोड़ रुपये मुख्य हैं। सरकार कृषि क्षेत्र को डिजिटल बनाने की कवायद में भी जुटी है। इसके लिए अक्टूबर के पहले सप्ताह में देश भर में किसानों का पंजीकरण शुरू होगा। किसानों को आधार कार्ड की भांति एक विशेष पहचान पत्र दिया जाएगा, जिसकी सहायता से न्यूनतम समर्थन मूल्य से लेकर किसान क्रेडिट कार्ड जैसे कार्यक्रमों और योजनाओं तक उनकी पहुंच बनेगी। कार्ड होने से सरकार को भी योजनाएं बनाने, उनके क्रियान्वयन और विस्तार में सहायता मिलेगी। सरकार ने अगले साल मार्च तक पांच करोड़ किसानों के पंजीकरण का लक्ष्य तय किया है। पहले सौ दिनों में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 17वीं किस्त जारी की गई। इसके तहत 9.3 करोड़ किसानों को 20,000 करोड़ रुपये का भुगतान सीधे उनके बैंक खातों में किया गया। न्यूनतम समर्थन मूल्य वाली सभी फसलों पर 100 से लेकर 550 रुपये तक की बढ़ोतरी की गई। सरकार ने प्याज और बासमती चावल से न्यूनतम निर्यात मूल्य हटाया, वहीं रिफाइंड तेलों पर आयात शुल्क बढ़ाया, ताकि घरेलू तिलहनों को अच्छा मूल्य मिल सके। वर्ष 2014 में सत्ता में आने के बाद से ही मोदी सरकार ने दलहनी–तिलहनी फसलों एवं मोटे अनाजों के समर्थन मूल्य में भरपूर बढ़ोतरी की है। इसके बावजूद दलहनी–तिलहनी और मोटे अनाजों की सरकारी खरीद में अपेक्षित सुधार नहीं आया। इसका कारण है कि देश में सरकारी खरीद, भंडारण और विपणन का ढांचा गेहूं तथा धान जैसी चुनिंदा फसलों एवं इलाकों तक ही सिमटा है। अब सरकार दलहनी–तिलहनी और मोटे अनाजों की समर्थन मूल्य पर सरकारी खरीद, भंडारण एवं विपणन का देशव्यापी नेटवर्क बना रही है। इससे न केवल खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित होगी, बल्कि अनाजों के केंद्रीकृत भंडारण पर होने वाले खर्च में भी कमी आएगी। इसके लिए सहकारिता क्षेत्र में विश्व की सबसे बड़ी भंडारण योजना शुरू की गई है,

जिसके तहत प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों (पैक्स) के स्तर पर गोदामों का निर्माण किया जा रहा है। इन गोदामों में स्थानीय उपज को भंडारित करके सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत वितरित किया जाएगा। इस प्रकार खेती से लेकर थाली तक विविधता आएगी। सरकार नई राष्ट्रीय सहकारिता नीति को भी अंतिम रूप दे रही है। इसके लिए पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश प्रभु की अध्यक्षता में 48 सदस्यीय समिति का गठन किया गया। सरकार का लक्ष्य अगले पांच वर्षों में तीन लाख पैक्स का गठन करना है।

कश्मीरियों की दुविधा– स्वायत्तता या विकास

संजय

जम्मू–कश्मीर में दो चरणों का मतदान हो चुका है और अंतिम चरण के लिए प्रचार जोरों पर है। यह साल का वह समय है जब तेज राजनीतिक हवाओं के बीच पूरे राज्य में फलों से लदे सेब के बगीचे, सुनहरे धान के खेत और केसर के खेत देखे जा सकते हैं। इस हवा में कौन सत्ता में आएगा, यह जानने के लिए एक सप्ताह और इंतजार करना होगा। जम्मू–कश्मीर में वर्चस्व की बड़ी लड़ाई चल रही है। 10 साल बाद विधानसभा चुनाव होने के कारण भाजपा और कांग्रेस दोनों के लिए दांव ऊंचे हैं। क्या घाटी के नेता जो अपनी पहचान वापस पाने की लड़ाई लड़ रहे हैं, सफल होंगे? मजे की बात यह है कि भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार द्वारा अनुच्छेद 370 को हटाए जाने के बाद नवगठित केंद्र शासित प्रदेश जम्मू–कश्मीर के लिए पहले चुनाव के दौरान प्रचार अभियान इसी के इर्द–गिर्द घूमता रहा है। कांग्रेस और उसके सहयोगी जहां अनुच्छेद 370 को बहाल करने और जम्मू–कश्मीर को विशेष दर्जा बहाल करने का वादा कर रहे हैं, वहीं भाजपा का कहना है कि यह मुद्दा हमेशा के लिए खत्म हो गया है और जम्मू–कश्मीर अब विकास की राह पर है। निश्चित रूप से अनुच्छेद 370 के हटने के बाद बहुत कुछ बदला है। घाटी में आने वाले लोगों का कहना है कि पर्यटन में काफी तेजी आई है और आतंक का माहौल काफी कम हुआ है। जम्मू क्षेत्र में लोगों का दावा है कि उन्हें एक अलग माहौल और जम्मू–कश्मीर में हर तरह से विकास की नई उम्मीद दिख रही है, लेकिन सवाल यह है कि कश्मीर घाटी में मुस्लिम बहुल लोग किसे वोट देंगे। यहां भाजपा की खासियत यह रही है कि उसने आतंक पर लगाम लगाई है और क्षेत्र को विकास के रास्ते पर आगे बढ़ाया है। भाजपा और कांग्रेस दोनों ही फरीदियों को अपने पाले में करने की होड़ में हैं। भाजपा ने उन्हें अनुसूचित जनजाति का दर्जा दिया था ताकि वे आदिवासी गुज्जरों के बराबर आ सकें। पिछले चुनाव में भाजपा ने जम्मू में 25 सीटें जीती थीं। इस बार उसे अपने दम पर सरकार बनाने के लिए 43 सीटों में से कम से कम 35 सीटें जीतनी होंगी। विधानसभा में कुल 90 सदस्य हैं और भाजपा को सरकार बनाने के लिए 46 का जादुई आंकड़ा हासिल करना होगा। भाजपा मतदाताओं से सीधा सवाल कर रही है। वे विकास चाहते हैं या आतंकवाद? केंद्रीय गृह मंत्री ने स्पष्ट रूप से कहा है कि जो भी जम्मू– कश्मीर में आतंक फैलाएगा।

वैश्विक ढांचे में पुरानी सोच से नहीं चलेगा काम

हर्ष

श्रीलंका के हालिया चुनाव में जनता विमुक्ति पेरामुना यानी जेवीपी को जीत हासिल हुई और उसके नेता अनुरा कुमारा दिसानायके नए राष्ट्रपति चुने गए। ऐसा प्रतीत होता है कि जनता ने ढांचागत बदलाव और भ्रष्टाचार मुक्त सरकार के लिए जनादेश दिया है। नई सरकार की विदेश नीति को लेकर तमाम अटकलें लगाई जा रही हैं। दिसानायके के अतीत और वैचारिक झुकाव को देखते हुए यह स्वाभाविक भी है। हालांकि वर्तमान आर्थिक एवं भूराजनीतिक परिदृश्य को देखते हुए यही संभावना अधिक है कि श्रीलंका उसी राह पर आगे बढ़ेगा, जिसमें वह भारत और चीन के साथ संतुलन साध सके। सुशासन और सुधारों को लेकर नई सरकार से जुड़ी उम्मीदें भी दीर्घकाल में भारत और उसके सहयोगियों को लाभ पहुंचाएंगी। जेवीपी पिछली सदी के सातवें दशक में अस्तित्व में आई। अपने मार्क्सवादी चिंतन और सिंहली राष्ट्रवादी विचारधारा के चलते आरंभ से ही उसका रवैया भारत विरोधी रहा। दक्षिण एशिया में भारतीय 'विस्तारवाद' से निपटना उसके वैचारिक लक्ष्यों में से एक रहा। इसने 1971 में पहली बार श्रीलंका राज्य के विरुद्ध विद्रोह किया, जिसे तुरंत ही दबा दिया गया। तब कोलंबो एयरपोर्ट की सुरक्षा के अलावा सरकार के अनुरोध पर भारत ने सामुद्रिक निगरानी का भी काम किया। हालांकि 1987 से 1990 के बीच दूसरे दौर के इसके विद्रोह में भारत विरोधी तेवर कहीं तीखे थे। जेवीपी ने श्रीलंका–भारत के उस समझौते का भी विरोध किया था, जिसके तहत श्रीलंका में भारतीय शांति सेना को अनुमति दी गई थी। अपनी स्वीकार्यता को बढ़ाने और भ्रष्ट एवं अक्षम कुलीन तबके को हटाने में भी इस संगठन ने अपने भारत विरोधी रवैये को नए तेवर दिए। वर्ष 1994 में जेवीपी सशस्त्र संघर्ष की राह छोड़ मुख्यधारा की राजनीति से जुड़ी, मगर मतदाताओं की पारंपरिक पसंद नहीं बन पाई। जब 2022 के आर्थिक संकट में लोग स्थापित व्यवस्था और नेताओं से आजिज आ गए, तब दिसानायके की लोकप्रियता बढ़नी शुरू हुई। जेवीपी के बढ़ते ग्राफ ने भारत को भी इस पार्टी के साथ सक्रियता बढ़ाने की दिशा में उन्मुख किया। चूंकि चुनावी नतीजों को लेकर भारी अनिश्चितता जुड़ी थी तो भारत के लिए सत्ता के प्रमुख दावेदारों के साथ संपर्क बनाए रखना जरूरी था। इसी सिलसिले में चुनावों से पहले भारत ने श्रीलंका के विभिन्न दलों के नेताओं को आमंत्रित किया। विदेश मंत्री एस. जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने कई नेताओं से बात भी की। दिसानायके भी इन नेताओं में शामिल रहे। भारत की व्यावहारिक सक्रियता उसकी पड़ोसी–प्रथम नीति और सागर दृष्टिकोण के अनुरूप ही है। चूंकि समय के साथ श्रीलंका का भूराजनीतिक महत्व और बढ़ा है तो भारत भी वहां अपनी मौजूदगी बढ़ाकर लाभ उठाने के प्रयास में लगा है। जिस समय श्रीलंका आर्थिक दुश्वारी और अस्तित्व के संकट से जूझ रहा था, तब भारत ने चार अरब डालर के कर्ज के साथ ही करेंसी स्वैप, अनुदान और क्रेडिट लाइन जैसे कई उपायों से उसे मदद पहुंचाई। इसके अलावा कई आवश्यक वस्तुओं और दवाओं की आपूर्ति की। इस पड़ोसी देश पर चीन की बढ़ती पकड़ को देखते हुए भारत ने अपने प्रयासों की गति और बढ़ाई। इसी का नतीजा है कि भारत श्रीलंका में एयरपोर्ट और बंदरगाहों को अपग्रेड करने के साथ ही त्रिनकोमाली क्षेत्र के विकास और अक्षय ऊर्जा, रिफाइनरी, एनर्जी ग्रिड एवं पेट्रोलियम पाइपलाइन से जुड़ी परियोजनाओं में निवेश कर रहा है। तमाम भारतीय कंपनियां श्रीलंका सरकार के उपक्रमों में निवेश में दिलचस्पी दिखा रही हैं। दोनों देश एक लैंड ब्रिज बनाने पर भी चर्चा कर रहे हैं। आर्थिक एवं तकनीकी सहयोग अनुबंध (ईटीसीए) पर भी बात चल रही है। जेवीपी के स्तर पर भी बदलाव की आहट दिखती है। उसे महसूस हो रहा है कि समकालीन विश्व में शीत युद्ध वाली मानसिकता से काम नहीं चल सकता। चुनावों के दौरान भी यह रवैया दिखा। उसे यह लगता है कि अपनी अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने में भारत का भूराजनीतिक कद और उसकी आर्थिकी बहुत मददगार हो सकती है। दिसानायके ने श्रीलंका के विकास और बुनियादी ढांचे को उन्नत बनाने के जो चुनावी वादे किए हैं, उनकी पूर्ति भारत के साथ सहयोग से ही संभव हो सकती है। सरकार पर्यटन और सूचना प्रौद्योगिकी के जरिये भी राजस्व बढ़ाना चाहती है। उसमें भी भारत की अहम भूमिका होगी। इसलिए भारत की चिंताओं पर गौर करना जेवीपी के लिए जरूरी होगा। उसके घोषणा पत्र में भी उल्लेख था कि किसी भी देश विशेषकर भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा को जोखिम में डालने वाली किसी भी प्रकार की गतिविधि को उसकी जमीन और जल एवं वायु सीमा से इजाजत नहीं दी जाएगी। इसके बाद भी भारत को देखना होगा कि श्रीलंका उसके हितों के लिए समस्या न बनने पाए। यह तय है कि नई सरकार चीन के साथ भी संतुलन साधने की दिशा में बढ़ेगी। बीजिंग भी अपनी साम्यवादी विचारधारा को देखते हुए नई सरकार के साथ सक्रियता बढ़ाएगा। दिसानायके भी चुनाव पूर्व भारत से पहले चीन का दौरा कर चुके हैं। करीब सात अरब डालर के साथ बीजिंग श्रीलंका के लिए सबसे बड़े ऋणदाताओं में से एक बना हुआ है। हिंद महासागर क्षेत्र में अपनी स्थिति और मजबूत करने के लिए चीन के ऐसे प्रयास जारी रहेंगे। जैसे हंबनटोटा में रिफाइनरी के लिए 4.5 अरब डालर के निवेश की पेशकश श्रीलंका के लिए जरूर लुभावनी होगी, जिससे उसे अपनी आर्थिकी को पटरी पर लाने में मदद मिलेगी। हालांकि चुनाव जीतने के बाद वादों को पूरा करने की नई चुनौती उत्पन्न होती है। देखना होगा कि दिसानायके इस चुनौती का सामना कैसे करते हैं। दिसानायके ने कुछ कदम उठाने भी शुरू कर दिए हैं, जिसका संभावित निवेश पर कुछ असर पड़ सकता है। जैसे अदाणी एनर्जी की परियोजना को लाल झंडी दिखाना। हो सकता है कि वह कुछ ऐसे फैसले लें, जो चीन के गले न उतरें, जो तमाम तिकड़मों के सहारे देशों के शोषण की योजना पर काम करता है। हालांकि अगर दिसानायके नीर–क्षीर विश्लेषण के साथ इस दिशा में आगे बढ़ते हैं तो यह भारत और उसके जैसे सोच वाले साझेदारों के लिए ही फायदेमंद होगा।

स्वच्छता हमारे स्वस्थ जीवन का एक अभिन्न हिस्सा है - अम्बरीष सक्सेना

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना) स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत 155 घंटे महा सफाई अभियान में आज 28 सिंतबर की थीम ष्स्वच्छ स्कूलष् के अनुसार नगर पालिका परिषद शाहाबाद द्वारा नेहरू म्यु. कन्या इंटर कालेज में कल्चरल एक्टिविटीज, सफाई अभियान व शपथ आदि का आयोजन कराया गया।स्वच्छता ही सेवा 2024 के अंतर्गत स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता पर जोर दिया गया। स्वच्छता कार्यक्रम के दौरान स्वच्छता ब्रांड एम्बेसडर अम्बरीष कुमार सक्सेना ने कहा कि स्वच्छता हमारे स्वस्थ जीवन का एक अभिन्न हिस्सा है और बिना स्वच्छता के जीवन शायद मुमकिन ही नहीं। उन्होंने कहा कि एक जिम्मेदार नागरिक होने के नाते यह हमारा कर्तव्य है कि, हम अपने देश को भी साफ–सुथरा रखें। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने 'स्वच्छ भारत' का सपना देखा था जिसके लिए वह चाहते थे कि भारत के सभी नागरिक एक साथ मिलकर देश को स्वच्छ बनाने के लिए कार्य करें। महात्मा गांधी के स्वच्छ भारत के स्वप्न को पूरा करने के लिए, पीएम नरेन्द्र मोदी ने 2 अक्टूबर 2014 को स्वच्छ भारत अभियान शुरू किया था। यह अभियान तभी सफल हो सकता है जब इसमें आम लोगों खासकर युवाओं छात्रों की पूर्ण भागीदारी हो। उन्होंने छात्राओं से अपने जीवन में स्वच्छता को अपनाने और दूसरों को भी इसके लिए जागरूक करने की अपील की।श्री सक्सेना ने सभी छात्राओं एवं शिक्षिकाओं को स्वच्छता शपथ ग्रहण कराई। छात्राओं को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से 'स्वच्छता ही सेवा–2024' अभियान के तहत नेहरू म्यु. कन्या इंटर कॉलेज में स्वच्छता पखवाड़ा मनाया जा रहा है। गांधी जयंती 2 अक्टूबर तक चलने वाले इस पखवाड़े के अंतर्गत कॉलेज की छात्राओं द्वारा विभिन्न प्रकार की गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इस अभियान को लेकर छात्राओं में काफी उत्साह है।छात्राओं ने स्वच्छता पर केंद्रित रंगोली भी तैयार कीं। सफाई एवं खाद्य निरीक्षक दीपक कुमार के नेतृत्व में आयोजित इस स्वच्छता कार्यक्रम का शुभारंभ कॉलेज की प्रधानाचार्या नूरुल हुमा ने किया। इस स्वच्छता अभियान में कालेज की शिक्षिका सरिता रानी,पुष्पांजलि श्रीवास्तव,भैरवी अग्निहोत्री, रुचि पांडेय, ऊषा देवी, वैशाली यादव, वंदना दीक्षित, वर्तिका शुक्ला, आयशा परवीन के अलावा वहीद खां समेत अनेक स्वयं सेवी शामिल रहे।

एलपीसीपीएस में नये बैच का शुभारंभ

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। लखनऊ पब्लिक कॉलेज ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज में शनिवार को नये बैच के विद्यार्थियों के लिए फ्रेशर्स पार्टी श्शुभारंभश का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन संस्थान स्थित श्री रामलाल मेमोरियल ऑडिटोरियम में हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर ग्रेट ब्रिटेन की मिस यूनीवर्स क्रिस्टीना चाक तथा सिस्टरहुड फाउंडेशन के सदस्य मौजूद थे। एसिड अटैक पीड़ितों के लिए काम करने वाली संस्था छाव फाउंडेशन के प्रमुख आलोक दीक्षित कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद रहे।

कार्यक्रम का प्रारंभ सरस्वती वंदना एवं राष्ट्रगान के साथ हुआ। कॉलेज के म्यूजिक क्लब के परफॉरमेंस ने विद्यार्थियों में जोश भर दिया। संस्थान के ड्रामा क्लब ने दहेज प्रथा पर नाटक प्रस्तुत किया। विभिन्न प्रतियोगिताओं के माध्यम से बीबीए के प्रिंस रस्तोगी मिस्टर फ्रेशर तथा बीजेएमसी की समृद्धि यादव मिस फ्रेशर चुनी गईं। वहीं बीकॉम (ऑनर्स) के सार्थक मिस्टर स्पार्क एवं बीकॉम की लायरा मिस स्पार्क चुनी गईं। कार्यक्रम में संस्थान की मुख्य प्रशासिका पूर्व सदस्य विधान परिषद कांति सिंह, निदेशिका गरिमा सिंह, डीन प्रो. एल एस अवस्थी, छांव फाउंडेशन के अजीत सिंह, एलपीसी गोमती नगर की प्रधानाचार्य अनीता चौधरी समेत अन्य शिक्षक मौजूद थे।

राष्ट्रीय आविष्कार अभियान क्विज प्रतियोगिता विकास खण्ड मड़ियाहूं, के बलराम पूर्व माध्यमिक विद्यालय शीतल गंज में खण्ड शिक्षा अधिकारी की मौजूदगी में सम्पन्न हुई

जौनपुर ब्यूरो चीफ

जौनपुर । आज बलराम पूर्व माध्यमिक विद्यालय शीतलगंज के प्रांगण मे खण्ड शिक्षा अधिकारी मड़ियाहूं श्री उदयभान कुशवाहा की उपस्थिति मे ब्लाक स्तरीय क्विज प्रतियोगिता सकुशल सम्पन्न हुआ। जिसमे प्रथम स्थान पर अर्पिता पटेल पूर्व माध्यमिक विद्यालय इमामशाहपुर द्वितीय पुनीत यादव पूर्व माध्यमिक विद्यालय कुढा रामपुर तृतीय प्रशांत पटेल पूर्व माध्यमिक विद्यालय कुढा रामपुा चतुर्थ सुशांत गुप्ता कंपोजिट शुदनीपुर पंचम अदिति यादव पूर्व माध्यमिक विद्यालय कुढा रामपुर रही। इस मौके पर कैलाश नाथ यादव,श्यामनारायण यादव,सिनिद्ध कुमार सिंह,राजेन्द प्रसाद यादव,बंशगोपाल दीक्षित(ए. आर.पी.),अध्यक्ष राम प्रसाद यादव,उपाध्यक्ष संतोष कुमार सिंह,जिला मंत्री रविचन्द यादव, आनन्द यादव ,निहाल सिंह, शिव कुमार सरोज, अच्छेलाल यादव, ओबैदुर रहमान , मौर्या सरिता हंसराज, सौम्या सिंह, ज्ञयानचन्द कम्प्यूटरआपरेटर,विजय पटेल बी.आर. सी. सहायक व ब्लाक के अन्य सम्भ्रात लोग उपस्थित रहे।

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की बैठक समीक्षा बैठक संपन्न हुई

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर 28 सितम्बर,– जिला धिकारी डॉ० दिनेश चंद्र सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की बैठक समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा जिला आबकारी अधिकारी को निर्देशित किया गया कि शराब की समस्त दुकानों को खाद्य अनुज्ञप्ति से आच्छादित कराना सुनिश्चित करें तथा बेसिक शिक्षा अधिकारी एवं खण्ड शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि जनपद के समस्त विद्यालयों (जहां पर मध्याह्न भोजन तैयार किया जाता है) को खाद्य पंजीकरण से आच्छादित कराना सुनिश्चित करें। साथ ही खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग को निर्देशित किया गया कि आगामी त्यौहारों को दृष्टिगत रखते हुए जनपद में स्थित मिठाई की दुकानों एवं अन्य खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण करते हुए साफ–सफाई की व्यवस्था के साथ–साथ स्वच्छ गुणवत्तायुक्त खाद्य पदार्थों की उपलब्धता सुनिश्चित कराये। साथ ही जिलाधिकारी ने सख्त निर्देश दिया कि दोहरा की बिक्री पर रोकथाम हेतु प्रभावी कार्यवाही की जाए। बैठक में समिति के समस्त सदस्य तथा खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

बाल निकुंज गर्ल्स एकेडमी में बच्चों ने सीखा पितृ बंदन संस्कार

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। बाल निकुंज गर्ल्स एकेडमी, अलीगंज, लखनऊ स्थित शिव सहाय जी सभागार में आज दिनांक 28 सितंबर 2024 को संस्कार शिक्षा–दीक्षा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें प्राइमरी कक्षाओं(कक्षा 1, कक्षा 2 अ, ब कक्षा 3 और कक्षा 4 के बच्चों के अभिभावकों को आमंत्रित किया गया। जिसमें लगभग 160 बच्चों ने अपने–अपने माता–पिता की वंदना करते हुए चंदन टीका लगाकर मुंह मीठा किया तथा पुष्प वर्षा कर दीप प्रज्वलन के साथ मात–पिता वंदना कर उन्हें भाव विभोर कर दिया। बच्चों द्वारा प्रस्तुत बंदना (मैं इस दुनिया में आया, मुझे पढ़ना–लिखना सिखाया। ओ मात पिता तुम्हें बंदन, बड़ी किस्मत से तुम्हें पाया।) भावुक बंदना से अभिभावकों के आंखों में वात्सल्य के आंसू छलक पड़े। इस संस्कार शिक्षा कार्यक्रम को सफल बनाने में प्राइमरी की इंचार्ज महिमा पांडिया कक्षा अध्यापिका आराधना भारती, संध्या मौर्या, मनीषा यादव महिमा अग्रवाल का सराहनीय सहयोग रहा। जिससे सभी बच्चों को शिक्षा दीक्षा संस्कार का अनुभव प्राप्त हुआ। प्रधानाचार्या डॉक्टर अनूप कुमारी शुक्ला ने कार्यक्रम के समापन पर सभा को संबोधित करते हुए बताया कि माता–पिता का अपने बच्चों के प्रति अटूट विश्वास और प्यार बना रहता है, जो सदा उनकी रक्षा करता है। इसलिए बच्चों, अपने माता–पिता को कभी नाराज मत करना और हमेशा आदर सम्मान बनाए रखना

बेसिक शिक्षा विभाग के अन्तर्गत संचालित कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक संपन्न हुई

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चन्द्र सिंह की अध्यक्षता में बेसिक शिक्षा विभाग के अन्तर्गत संचालित कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने बेसिक शिक्षा विभाग के अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं, कार्यक्रमों, कायाकल्प, मिशन प्रेरणा फेस–2, निपुण भारत के क्रियान्वयन की समीक्षा की। जिलाधिकारी द्वारा विद्यालय में फर्नीचर, शौचालय सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं के संदर्भ में जानकारी ली गई। उन्होंने निर्देशित किया कि निर्धारित मीनू के अनुसार मिड डे मील बच्चों को दिया जाए। जिलाधिकारी के द्वारा निर्देशित किया गया कि जिला पूर्ति अधिकारी और अभिहित अधिकारी के द्वारा कस्तूरबा गांधी और मिड डे मील के खाद्यान्न की जाँच की जाए। सभी विद्यालयों में सहजन, नींबू, करी पत्ता, करौंदा आदि के वृक्ष लगाए जाने के निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि जिन विद्यालयों में बच्चों का नामांकन हो गया है और उनका आधार कार्ड नहीं बना है उनका आधार कार्ड अवश्य बनवाना सुनिश्चित करें। इस अवसर पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डा. गोरखनाथ पटेल, जिला पंचायत राज अधिकारी नत्थूराम गंगवार, डायट प्राचार्य, समस्त खण्ड शिक्षा अधिकारी सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

दादा मियां की दरगाह पर समाजसेवियों और पत्रकारों ने पेश की अकीदत की चादर

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। माल एवेन्यू स्थित हजरत मोहम्मद नबी शाह रहव बाबा के उर्स मुबारक बड़ी ही धूमधाम के साथ मनाया जा रहा है। इस मुबारक मौके पर दरगाह पर समाजसेवियों और पत्रकारों ने भी अकीदत की चादर पेश की और मुल्क में आपसी भाईचारा,अमन चौन,सुख शांति और प्रदेश की खुशहाली के लिए इज्तिमाई शक्ल में विशेष दुआएं की। इस अवसर पर फरहत हसन,प्रिंट मीडिया वर्किंग जर्नलिस्ट एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजीज सिद्दीकी और उत्तर प्रदेश जिला मान्यता प्राप्त पत्रकार एसोसिएशन के महामंत्री अब्दुल वहीद, सचिव जुबैर अहमद, काशांन्न ए वारिस के अध्यक्ष अरशद मुर्तजा वारसी,महासचिव मोहम्मद इमरान, मुर्तुजा अली,शाकिब भारत,प्रिन्ट मीडिया के राष्ट्रीय महामंत्री परवेज अख्तर,एस.बी न्यूज के शबाब नूर, मोहम्मद इकराम उर्फ गुड्डू,वरिष्ठ छायाकार आरिफ मुकीम, एन आलम, मोहम्मद फैज, सय्यद इकब्बाल, फहीम अहमद, मोहम्मद अरशद,वसी अहमद सिद्दीकी,साजिद अली, आफाक,जावेद बेग इत्यादि मौजूद रहे।इन सबकी मौजूदगी में दरगाह के सज्जादा नशीन व मुतवल्ली हजरत खव्वाजा शबाहत हसन शाह ने मजार शरीफ पर समाज के सभी वर्गों और पत्रकारों की खुशहाली के लिए अल्लाह से दुआएं मांगी। इस मौके पर सज्जादा नशीन हजरत खव्वाजा शबाहत हसन शाह, ने बताया कि इस उर्स में देश के विभिन्न हिस्सों से आए हुए श्रद्धालु मोहम्मद अली शाह दादा मियां को अपने श्रद्धा सुमन अर्पित करते हैं, रात भर सूफी कव्वाली होती है इसी के साथ लंगर का आयोजन व वितरण भी किया जाता है। इस अवसर पर इमरान खघन भारतीय समेत कई समाजसेवी तथा दर्जनों पत्रकार लोग मौजूद रहे।

50 प्रतिभागियों को ईसीएसओ थेरेपी का प्रशिक्षण दिया गया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। डॉ राम मनोहर लोहिया इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज के प्रशासनिक भवन के सभागार में CRITICARE 2024 के अंतर्गत ECMOकार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें प्रमुख रूप से डॉ प्रणय ओझा एवं डॉ वेंकट गोयल मुंबई से डॉ विवेक गुप्ता लुधियाना डॉ रवि शर्मा जयपुर डॉ शिखा एवं डॉ सुलोचना द्वारा इस कार्यशाला में भाग ले रहे लगभग 50 प्रतिभागियों को ECMO थेरेपी का प्रशिक्षण दिया गया। इनके द्वारा यह बताया गया कि फेफड़े एवं हृदय की ऐसी बीमारी जो अन्य विधाओं से ठीक नहीं हो सकती उसका इलाज ECMO थेरेपी द्वारा किया जाता है। इस थेरेपी द्वारा मृत्तप्रयाह मरीज के भी बचने की संभावना बन जाती है।

इस कार्यशाला का उद्घाटन कोर्स डायरेक्टर एवं विभाग अध्यक्ष प्रोफेसर पीके दास कोर्स कोआर्डिनेटर डॉ सुजीत राय एवं डॉ समीक्षा पाराशर कार्यवाहक निदेशक प्रोफेसर नुजहत हुसैन एवं पूर्व निदेशक प्रोफेसर दीपक मालवीय एवं मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ ए के सिंह द्वारा दीप प्रज्वलित करके किया गया। इस कार्यक्रम में डॉ ममता हरजाई डॉ शिवानी रस्तोगी डॉ अनुराग अग्रवाल डॉ वीरेंद्र कुमार डॉ सूरज कुमार डॉ शिल्पी मिश्रा डॉ संदीप कुमार यादव डॉ शरीफ आलम एवं डॉ एपी जैन भी शामिल रहे।

मिशन शक्ति अभियान के महिलाओं व बालिकाओं को किया जागरुक

अयोध्या। शनिवार को शासन द्वारा सुरक्षा के प्रति जागरुक करने के लिए चलाए जा रहे अति महात्वाकांक्षी योजनाओं में शामिल मिशन शक्ति अभियान के तहत विभिन्न स्थानों व चौराहों व अन्य सार्वजनिक स्थानों पर महिला पुलिस कर्मियों द्वारा महिलाओं व बालिकाओं को सुरक्षा के प्रति जागरुक किया गया।इस मौके पर उन्होंने महिलाओं, बालिकाओं को सुरक्षा के प्रति उनके अधिकारों, सरकारी योजनाओं एवं विभिन्न हेल्पलाइन नम्बरों व नये कानून के बारे में किया जा रहा जागरुक, स्कूली छात्राओंध्बच्चियों को गुड टचध्बैड टच के बारे में बारीकी से बताया। इस मौके पर पुलिस द्वारा चलाए जा रहे अभियान मिशन शक्ति नारी सुरक्षा, नारी सम्मान, नारी स्वावलम्बन एवं एंटी रोमियो के तहत बालिकाओं को मिशन शक्ति नारी सुरक्षा व साइबर संबंधित अपराध के बारे में बताया गया। वही इस जगह पर अनावश्यक रूप से पार्कोंध्स्कूलों के आस पास घूम रहे युवको से पूछताछ कर हिदायत दिया गया।उन्होंने ने महिलाओं व बालिकाओं किसी भी प्रकार की पुलिस सहायता हेतु विमेन पावर लाइन 1090 , व यूपी 112 ,ऑपरेशन कवच 181 महिला हेल्पलाइन ,1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन ,1098 चाइल्ड लाइन ,साइबर अपराध (1930) के बारे में बताया गया व अन्य कानूनी जानकारी देकर जागरुक किया गया।

विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं ने किया प्रदर्शन डीएम को सौंपा ज्ञापन

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं ने शनिवार को कलेक्ट्रेट परिसर में प्रदर्शन करके महामहिम राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा।।विश्व हिंदू परिषद के जिलाध्यक्ष विमल सिंह ने कहा कि तिरुपति बालाजी मंदिर में वितरित होने वाले महाप्रसाद में आस्थावान हिंदुओं की बहुत श्रद्धा होती है। दुर्भाग्य से इस महाप्रसाद को बनाने वाले घी में गाय व सूअर की चर्बी तथा मछली के तेल की मिलावट के अत्यंत दुखद और हृदय विदारक समाचार आ रहे हैं।पूरे देश का हिंदू समाज आक्रोशित है,हिंदुओं का क्रोध अलग–अलग रूप में प्रकट हो रहा है। इस पवित्र तीर्थ का संचालन आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा स्थापित बोर्ड के द्वारा होता है।वहां केवल महाप्रसाद बनाने के मामले में ही हिंदू आस्थाओं के साथ खिलवाड़ नहीं किया गया अपितु हिंदुओं के द्वारा अत्यंत श्रद्धा भाव से अर्पित की गई देव राशि (चढ़ावा) के सरकारी अधिकारियों व राजनेताओं द्वारा दुरुपयोग के भी कष्टकारी समाचार मिलते रहते हैं। कई बार तो हिंदुओं के धर्म पर आघात कर हिंदुओं का धर्मांतरण करने वाली संस्थाओं को इस पवित्र राशि से अनुदान देने के समाचार भी मिलते रहे हैं। कई अन्य राज्य सरकारें भी मंदिरों की संपत्ति व आय का निरंतर दुरुपयोग करती रहती हैं। तथा उनका उपयोग गैर हिंदू और हिंदू विरोधी कार्यों में करती रही है।हमारे देश में संविधान के सर्वोपरि होने की दुहाई बार–बार दी जाती है। परंतु दुर्भाग्य से हिंदुओं की आस्थाओं के केंद्र मंदिरों पर विभिन्न सरकारें अपना नियंत्रण स्थापित कर हिंदुओं की भावनाओं के साथ सबसे घृणित धोखाधड़ी संविधान की आड़ में ही कर रही हैं।अपने निहित स्वार्थ के कारण मंदिरों का अधिग्रहण कर वे संविधान की धारा 12, 25 व 26 का खुल्लम–खुल्ला उल्लंघन कर रही हैं।क्या स्वतंत्रता प्राप्ति के 77 वर्ष बाद भी हिंदुओं को अपने मंदिरों का संचालन करने की अनुमति नहीं दी जा सकती। अल्पसंख्यकों को अपने धार्मिक संस्थान चलाने की अनुमति है। परंतु हिंदू को यह संविधान सम्मत अधिकार क्यों नहीं दिया जा रहा। यह सर्व विदित है कि मुस्लिम आक्रमणकारियों ने मंदिरों को लूटा और नष्ट किया था।तिरुपति बालाजी व अन्य स्थानों पर की जा रही अनियमितताओं के कारण अब हिंदू समाज का यह विश्वास हो गया है कि अपने मंदिरों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त कराए बिना उनकी पवित्रता को पुनर्स्थापित नहीं किया जा सकता। इसलिए राज्य सरकार को उनके द्वारा नियंत्रित सभी हिंदू मंदिर अविलंब मुक्त करके हिंदू संतो व भक्तों को एक निश्चित व्यवस्था के अन्तर्गत सौंपने के लिए प्रेरित किए जाने की आवश्यकता है। इस व्यवस्था का प्रारूप पूज्य संतों ने कई वर्षों के चिंतन मनन व चर्चा के बाद निर्धारित किया है। इस प्रारूप का सफलतापूर्वक उपयोग कई जगह किया भी जा रहा है। इस मौके पर विभाग अध्यक्ष उदयराज सिंह,मंत्री समरबहदुर सिंह,विभाग संयोजक बजरंग दल आशुतोष जी,जिलाअध्यक्ष विमल सिंह, मंत्री सुनील मौर्या,जिला संयोजक बजरंग दल गणेश मोदनवाल,सह संयोजक शिवम अग्रहरि,शंकर वन कुटी से संत राम बाबा जी ,विभाग संगठन मंत्री सत्येंद्र जी,आशीष मिश्रा,नगर संयोजक विनय बिंद,रामेश्वर सोनी, सह सयोजक शिवम मिश्रा, आजाद राय,सूरज राज आदि लोग रहे।

दयानंद यादव डिग्री कालेज स्वच्छ भारत अभियान पखवाड़ा मनाया गया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। दयानंद यादव डिग्री कॉलेज अर्जुनगंज लखनऊ में स्वच्छ भारत अभियान उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय लखनऊ के सहयोग से चलाया गया जिसमें उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन की क्षेत्रीय प्रभारी डॉक्टर नीरांजलि सिन्हा व महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर संदीप पटेल एवं कोऑर्डिनेटर सुमन वर्मा जी महाविद्यालय के प्रबंधक श्री अजीत सिंह यादव जी व शिक्षक डॉ मोहम्मद अकबर डा बबीता शुक्ला मीनाक्षी शुक्ला एवं दीपक अविनाश कुमार यादव सौरभ वर्मा सोनू शर्मा अरविंद कुमार योगेन्द्र वर्मा आशुतोष वी अनिता जी आदि आज सभी शिक्षकों तथा महाविद्यालय के सभी छात्र–छात्राओं ने स्वच्छ भारत मिशन में बढ़– चढ़कर हिस्सा लिया। निरांजलि सिन्हा ने छात्रों को शरीर की सफाई के साथ–साथ महाविद्यालय व अन्य सार्वजनिक स्थानों की सफाई पर जोर दिया डॉक्टर संदीप पटेल ने छात्रों को बताया कि छात्र सार्वजनिक जगहों पर गंदगी ना फैलाएं सड़क पानी व अन्य रेलवे बस स्टेशन इत्यादि पर ना थूकें ना कूड़ा फैलाएं निर्धारित स्थान पर रखे डस्टबिन का प्रयोग करें साथ में यह बताया गया कि गांधी जयंती के अवसर पर पूरे देश में स्वच्छता पखवाड़ा मनाया जाता है।

विदाई समारोह में नम हुई पुलिस कर्मियों की आंखें

अयोध्या। परिवहन शाखा पुलिस लाइन अयोध्या में तैनात मुख्य आरक्षी परिवहन से उप निरीक्षक परिवहन पद पर पदोन्नति पाये राम बहादुर रावत नव नियुक्त तैनाती स्थल परिवहन शाखा यूपी 112, जनपद जालौन तथा उप निरीक्षक परिवहन जितेंद्र यादव नव नियुक्त तैनाती स्थल परिवहन शाखा यूपी 112 जनपद आजमगढ़ हो गया।शनिवार को एसएसपी राज करन नय्यर ने इन दोनों पुलिस कर्मियों को कार्यमुक्त कर दिया। इस मौके पर परिवहन शाखा में नियुक्त/कार्यरत समस्त अधिकारी कर्मचारियों ने दोनों उप निरीक्षक परिवहन के साथ लंबे समय से रह रहे सहकर्मियों द्वारा स्थानांतरण पर जाने पर भावनात्मक लगाव होने के कारण विदाई समारोह का आयोजन किया। इस मौके पर सभी की आंखें नम हो उठी।विदाई समारोह कार्यक्रम निरीक्षक में परिवहन अजय मिश्रा के अलावा इस विभाग के उप निरीक्षक इंद्रजीत यादव,हेड कांस्टेबल राजेश यादव, मुख्य आरक्षी चालक विजय कुमार शुक्ला, अरविंद, हरिवंश यादव, राजेश सिंह, लल्लन, शेषनाथ, विश्राम, संतोष, जमुना, तूफानी, विनय, सर्वेश पाल, मनोज अन्य पुलिस चालक मौजूद रहे।

हथिया नक्षत्र की वर्षा से फसलों पर प्रभाव – प्रो रवि प्रकाश

सुलतानपुर। ज्योतिष शास्त्र के आधार 27 सितंबर से हस्त नक्षत्र शुरू हो गया है। जिससे मूसलाधार बारिश की उम्मीद है। इस बारिश के लिए किसान भी उत्सुक हैं क्योंकि यह फसलों के लिए लाभकारी मानी जाती है। सेवानिवृत्त प्रोफेसर रवि प्रकाश मौर्य कुमार गंज अयोध्या ने बताया कि मौसम विभाग के अनुसार भी वर्षा होगी। वर्तमान वर्षा से लाभ और हानि दोनों हो सकते हैं। पछैती धान, मक्का, गन्ना, ज्वार ,बाजरा, आदि फसलों के लिए यह वर्षा लाभकारी होगा। परन्तु जो अगेती धान की फसल, उर्द, मूंग, मक्का, ज्वार ,आदि इस समय पक कर तैयार है ,उसके लिए तेज वर्षा नुकसानदेह है। सब्जियों में कद्दू वर्गीय सब्जियों , भिण्डी, टमाटर, मिर्च को गलने की संभावना बढेगी। जो अभी नये लगाये गये गोभी, पपीता की पौधे को हानि होगा। बर्षा से तापमान 35 डिग्री सेग्रेट से कम होकर 26 डिग्री सेग्रेट हो गया है।, जिससे गर्मी से राहत मिली है। लगातार अत्यधिक बर्षा से बाढ़ और जलभराव हो सकता है, जिससे जान–माल की हानि होती है। अत्यधिक वर्षा से फसलों की क्षति हो सकती है, जिससे किसानों को नुकसान होता है।वर्षा से सड़कें और रास्ते बंद हो सकते हैं, जिससे यातायात बाधित होता है। बर्षा के बाद जलजनित बीमारियाँ फैल सकती हैं। पौधों पर भी बीमारियों एवं कीटों का प्रकोप होने की संम्भावना हो जाती है। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि बर्षा का प्रभाव क्षेत्र और परिस्थितियों पर निर्भर करता है।

शहीदे आजम सरदार भगत सिंह जी की लखनऊ में बड़ी प्रतिमा लगाए जाये

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। आज शहीदे आजम सरदार भगत सिंह की जयंती के अवसर पर नेबरहुड पार्क , एलडीए कॉलोनी , हिन्द नगर वार्ड में भारतीय जानता पार्टी लखनऊ के महानगर अध्यक्ष आनंद दिवेदी व पूर्व एमएलसी अरविंद त्रिपाठी की उपस्थिति में पार्टी के चल रहे कार्यक्रम स्वच्छता पखवाड़ा के अन्तर्गत महान शहीदों की प्रतिमाओं की और आस पास साफ सफाई कर शहीदे आजम भगत सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर शहीद चंद्रशेखर आजाद व शहीद सुभाष चंद्र बोस जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर सभी को जन्मदिन की बधाई दी, कार्यक्रम में कल्याण सिंह कैंसर इंस्टिट्यूट बोर्ड के सदस्य दिलप्रीत सिंह डी पी ने माँग रखी की अगले साल आने वाली जयंती तक शहीदे आजम सरदार

भगत सिंह जी की लखनऊ में बड़ी प्रतिमा लगाए जाये। इसी क्रम में नगर मंत्री लखविन्दर पाल सिंह ने कहा हम हर साल भगत सिंह की जयंती को मनायेगे , रणवीर कलसी ने कार्यक्रम में सभी का धन्यवाद कर समापन किया। कार्यक्रम में हिन्द नगर के पार्षद सौरभ सिंह की मुख्य भूमिका रही व मण्डल अध्यक्ष के के श्रीवास्तव , वार्ड अध्यक्ष नागेश्वर अवस्थी , कुसुम सिंह , सरिता शुक्ला , मनमोहन सिंह , रणवीर भसीन , परविंदर सिंह , निरवैर सिंह , रजिंदर सिंह बग्गा , मनमोहन सिंह मोनी , अजय सिंह , सुरिन्दर पाल सिंह घई, सतवीर सिंह आनंद , सतनाम सिंह लवी , जसकरण कोहली , ओंकार सिंह , कुलदीप सिंह , भूपिन्दर सिंह पिंदा उपस्थित रहे ।

संक्षिप्त खबरें

विश्वनाथ धाम में महिला दर्शनार्थी हुई बेहोश

वाराणसी, संवाददाता। श्री काशी विश्वनाथ धाम में दर्शन के लिए कतार में लगी महिला दर्शनार्थी अचानक बेहोश हो गई। जिससे परिसर में अफरा तफरी मच गई मौके पर मौजूद फायर सर्विस के जवानों ने महिला उठाया और कबीरचौरा अस्पताल में भर्ती कराया। आपको बता दें कि मंदिर में जैसे ही महिला बेहोश हुई फायर सर्विस के जवानों ने तत्काल प्रभाव से राहत देने का प्रयास किया लेकिन महिला की हालत बिगड़ते देख उसे अस्पताल भेजा गया। बताया जा रहा है कि महिला उड़ीसा की रहने वाली है और उसका नाम सोमवारी वारीक गुंटीचावारी है।

भोले की भक्ति में लीन हुए बागेश्वर धाम के धीरेंद्र शास्त्री

वाराणसी, संवाददाता। बागेश्वर धाम सरकार के पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने शुक्रवार को काशी विश्वनाथ मंदिर में पहुंचकर दर्शन–पूजन किया। इस दौरान पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने विधि– विधान से बाबा का पूजन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री गंगा महल कोठी में रात्रि विश्राम करने के बाद शुक्रवार की सुबह काशी विश्वनाथ धाम पहुंचे। यहां मंगला आरती में शामिल होने के साथ ही उन्होंने विधि– विधान से दर्शन पूजन किया। इसके बाद उन्होंने गया के लिए प्रस्थान किया।

लगातार हो रही बारिश से मौसम हुआ सुहाना

गोरखपुर, संवाददाता। गोरखपुर में बृहस्पतिवार से मानसून मेहरबान है। पूरी रात बारिश के बाद शुक्रवार सुबह से हो रही बारिश से मौसम सुहाना हो गया है। एक पखवारे से उमस भरी गर्मी से परेशान लोगों को राहत मिली है। मौसम विभाग ने शुक्रवार की सुबह तक 75 एमएम बारिश दर्ज किया है। सुबह से हो रही मूसलाधार बारिश ने तापमान कम करने के साथ राहत भी पहुंचाई। हालांकि सुबह से बारिश ने शहर में अलग–अलग जलभराव जैसी समस्या खड़ी कर दी। लेकिन, स्थानीय लोग बारिश का लुत्फ उठाते दिखे। गोलघर, घोष कम्पनी, विजय चौक, सिविल लाइंस समेत अन्य चौराहों पर सुबह बारिश के बीच लोग घूमते दिखे। गोरखपुर में शुक्रवार सुबह से हो रही बारिश ने मौसम सुहाना कर दिया। सुबह से हो रही मूसलाधार बारिश ने तापमान कम करने के साथ राहत भी पहुंचाई।

डॉक्टर की प्रेस कान्फेंस रुकवाने पहुंचे गार्ड व बाउंसर

वाराणसी, संवाददाता। बीएचयू अस्पताल में कार्डियोलॉजी विभाग के प्रोफेसर ओमशंकर का प्रेस कॉन्फ्रेंस बंद कराने के लिए प्रॉक्टोरियल बोर्ड के सुरक्षाधिकारी पहुंचे। उनके साथ सिक्योरिटी गार्ड और बाउंसर भी पहुंचे। प्रोफेसर ने कहा कि किस आधार पर ये पीसी बंद कराई जा रही है। ये अधिकार किसने दिया। आप हमें लिखित में दें कि मीडिया से बात नहीं कर सकते। आदेश देने वाले अधिकारी का नाम और उनका मकसद क्या है, ये भी बताएं। इसके बाद सभी वापस लौट गए। कार्डियोलॉजिस्ट प्रोफेसर ओमशंकर ने अस्पताल प्रशासन पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित किया था। इस दौरान उन्होंने अस्पताल के मेडिकल सुप्रीटेंडेंट और कुलपति पर कई गंभीर आरोप लगाए। कहा कि अभी भी कार्डियोलॉजी विभाग के बेड का मामला नहीं सुलझा। जबकि विवाद की स्थिति अधिक समय से है। लेकिन समाधान नहीं किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मेडिकल सुप्रीटेंडेंट के पास अस्पताल बेड तय करने का अधिकार नहीं होता। डायरेक्टर इस पर फैसला ले सकते हैं। बीएचयू में पिछले तीन साल से एग्जीक्यूटिव काउंसिल नहीं है। एक के बाद एक नियुक्तियां जारी है।

निरीक्षण में कमरे में नहीं मिलीं डाक्टर, ड्यूटी रजिस्टर भी अधूरा

वाराणसी, संवाददाता। दीनदयाल उपाध्याय जिला अस्पताल और एमसीएच विंग में गुरुवार को सीडीओ हिमांशु नागपाल ने निरीक्षण किया। सीडीओ को अस्पताल परिसर में शौचालय से लेकर अन्य जगहों पर गंदगी मिली। कर्मचारियों का ड्यूटी रजिस्टर भी अधूरा मिला। कार्यरत 42 में से महज 29 ने ही रजिस्टर पर हस्ताक्षर किए थे। इसके अलावा जिला अस्पताल के आयुष्मान वार्ड और एमसीएच विंग में कमरे में डॉक्टर भी नहीं मिलीं। इस पर नाराज सीडीओ ने सीएमएस डॉ. दिग्विजय सिंह को इस तरह की लापरवाही पर रोक लगाते हुए कार्यप्रणाली में सुधार लाने की चेतावनी दी। साथ ही व्यवस्थाओं की मॉनीटरिंग करते रहने को कहा। गुरुवार की दोपहर में अस्पताल पहुंचने पर सीडीओ ने आयुष्मान भारत योजना के काउंटर के साथ ही एनआरसी वार्ड का निरीक्षण किया। यहां कुछ जगहों पर केबिन के खिड़कियों में जाली एवं शीशा सही न होने पर इसको दुरुस्त करवाने को कहा। साथ ही शौचालय में साफ–सफाई न होने पर नाराजगी जताई। इससे पहले एमसीएच विंग में पहुंचे तो वहां ओपीडी के दौरान डॉक्टरों के कमरे में न मिलने पर सीएमएस से जानकारी मांगी तो पता चला कि तीन इमरजेंसी सीजर एक साथ हो रहे हैं। उन्होंने ओपीडी में हर हाल में चिकित्सक की मौजूदगी सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने सीएमएस को अस्पताल की पेंटिंग कराने के साथ ही सुदृढ़ीकरण पर विशेष ध्यान देने की बात कही। सीडीओ ने एक मरीज से पूछा कि उसने भोजन कर लिया तो मरीज ने भोजन न लेने की बात कही।

घेराबंदी के दौरान बदमाशों ने की फायरिंग

वाराणसी, संवाददाता। वाराणसी के कंठीपुर गांव के पास शुक्रवार की भोर बदमाशों का एसओजी और राजातालाब थाने की पुलिस की संयुक्त टीम से आमना–सामना हुआ। दोनों तरफ से हुई फायरिंग में एक बदमाश घायल हो गया, जबकि एक अन्य भाग निकला। एडीसीपी गोमती जोन आकाश पटेल ने बताया कि घायल बदमाश राजकुमार है, उसका दोस्त संदीप भाग गया है। दोनों बदमाशों ने अपने एक अन्य साथी के साथ गत रविवार की रात चंदौली के मुगलसराय से लठिया चौराहे तक के लिए कार बुक कराई थी। लठिया में कार, नकदी और मोबाइल लूट कर तीनों वीरभानपुर में ड्राइवर को छोड़ कर भाग गए थे। उन्हीं बदमाशों के कार लेकर गुजरने की सूचना पर एसओजी प्रभारी मनीष कुमार मिश्र और राजातालाब थाना प्रभारी अजीत वर्मा ने अपनी–अपनी टीम के साथ घेराबंदी की थी।

बदमाशों द्वारा पुलिस टीम को देख कर फायरिंग की गई। जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश घायल हुआ है, जबकि उसका एक दोस्त भाग निकला। घायल बदमाश का प्राथमिक उपचार कराने के बाद उससे पूछताछ की जाएगी।

सपा विधायक की बढ़ सकती हैं मुश्किलें

भदोही, संवाददाता। किशोरी को आत्महत्या के लिए उकसाने व बाल श्रम के मामले में जेल में निरूद्ध सपा विधायक जाहिद जमाल बेग की मुश्किलें बढ़ती जा रही है। भदोही के मालिकाना मोहल्ले में स्थित सपा विधायक का आलीशान मकान तालाब की मकान पर बना है। जिलाधिकारी की जांच के बाद यह प्रकरण संज्ञान में आया है। हालांकि मकान निजी तालाब पर है। जिलाधिकारी विशाल सिंह ने कहा कि मामला न्यायिक प्रक्रिया में है, जो भी चीजें सामने आएंगी उसके अनुसार कार्रवाई होगी। भदोही के मालिकाना मोहल्ले में स्थित जाहिद जमाल बेग के तीन मंजिला आवास की तीसरी मंजिल के कमरे में एक 17 वर्षीय किशोरी ने आठ सितंबर की रात फंदे पर झूलकर आत्महत्या कर ली थी। किशोरी के आत्महत्या के बाद से ही सपा विधायक व उनके परिवार की मुश्किलें बढ़ती गई। पहले विधायक पति–पत्नी सीमा बेग पर बाल श्रम व किशोरी को आत्महत्या के लिए उकसाने का केस दर्ज हुआ। उसके बाद बेटे जईम बेग पर भी मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया गया।

सपा विधायक जाहिद बेग इस समय नैनी और उनका बेटा बनारस की जेल में बंद हैं। दूसरी तरफ अब उनके तीन मंजिला आलीशान मकान पर भी खतरा मंडराने लगा है। विधायक के मालिकाना मोहल्ले स्थित तीन मंजिला मकान पर को लेकर शिकायत की गई थी कि विधायक का आवास तालाब पर है। शिकायत को संज्ञान में लेकर जिलाधिकारी ने एसडीएम भदोही भान सिंह ने इसकी जांच कराई। जांच में यह प्रकारण संज्ञान में आया कि विधायक आवास निजी तालाब पर स्थित है। जिलाधिकारी विशाल सिंह ने बताया कि जिस इलाके में सपा विधायक का मकान है।

उस क्षेत्र में अभी जमींदारी इवोल्यूशन लागू नहीं है। प्रारंभिक जांच में पाया गया है कि किसी निजी व्यक्ति के नाम पर पहले वहां तालाब था। जहां पर अब विधायक का मकान बना हुआ है।

बेदखली की हो सकती है कार्रवाई

जिलाधिकारी ने कहा कि मामला अभी न्यायिक प्रक्रिया में है। न्यायिक प्रक्रिया के उपरांत जो भी तत्व सामने आएंगे उसी के अनुसार कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा कि इस तरह के मामले में बेदखली की कार्रवाई के उपरांत मकान हटाने की कार्रवाई होती है। न्यायिक प्रक्रिया में इस समय मामला है। जाहिद बेग की तरफ से आपत्ति मांगी गई है। न्यायिक प्रक्रिया में जिस तरह के तथ्य सामने आएंगे, उसी के अनुसार इस प्रकरण में भी कार्रवाई की जाएगी।

नगर पंचायत चेयरमैन सहित नौ के खिलाफ एफआईआर

आजमगढ़, संवाददाता। आजमगढ़ जिले के जहानागंज में नाली निर्माण कार्य की गुणवत्ता की शिकायत करने पर चेयरमैन सरफराज अहमद द्वारा एक व्यक्ति को धमकी देने का मामला सामने आया है। इस मामले में पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर नौ लोगों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस को दी तहरीर में कस्बा निवासी शाह फैसल ने आरोप लगाया था कि 25 सितंबर को नाली निर्माण में गुणवत्ता की शिकायत उनके द्वारा की गई थी। उन्होंने देखा कि नाली के गंदे पानी से निर्माण किया जा रहा था, जिससे निर्माण की गुणवत्ता खराब हो रही थी। उन्होंने इसकी शिकायत वसीम आलम, जो निर्माण की देखरेख कर रहे थे उनसे की। वसीम ने शाह फैसल को मां–बहन की गाली देते हुए कहा कि यह चेयरमैन का काम है और उन्हीं के कहने पर निर्माण किया जा रहा है। इसके बाद शाह फैसल ने इसकी शिकायत चेयरमैन सरफराज अहमद से की। चेयरमैन ने उन्हें घर बुलाया। जब वह उनके घर पहुंचे तो वहां पहले से ही कई लोग मौजूद थे। उन लोगों द्वारा उसे मारा पीटा गया। साथ ही धमकी दी गई कि अगर निर्माण स्थल की ओर से दोबारा गए तो जान से मार दिया जाएगा। तब उनके द्वारा जहानागंज थाने में नौ लोगों के खिलाफ नामजद तहरीर दी गई। इस मामले में जहानागंज पुलिस ने चेयरमैन सहित नौ लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। जिसमें चेयरमैन सरफराज आलम, रेयाज अहमद, शहनवाज, जुल्फेकार अहमद, रईस अहमद, अब्दुल कासिर, शाह आलम, कैलुल वसर और वसीम आलम शामिल हैं। जहानागंज थाना नगर पंचायत के चेयरमैन पर एक व्यक्ति के साथ मारपीट करने की तहरीर मिली थी। जिसके आधार पर चेयरमैन के अलावा आठ अन्य व्यक्तियों पर नामजद मुकदमा दर्ज किया गया है। इसकी विवेचना की जा रही है। तथ्यों के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

बिजली के पोल से लटकता मिला संविदा कर्मी का शव

सोनभद्र, संवाददाता। सोनभद्र जिले के शक्तिनगर थाना क्षेत्र के खड़िया इलाके में शुक्रवार को संविदा कर्मचारी का शव रेलवे लाइन के किनारे बिजली के पोल पर फंदे से लटकता मिला। उसके गले में रस्सी का फंदा था, लेकिन घुटने जमीन को छू रहे थे। परिजनों के मुताबिक संविदा कर्मी ठेकेदार से बकाया पैसा लेने की बात कह घर से निकला था। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर छानबीन शुरू की। परिजन हत्या की आशंका जता रहे हैं।

यह है पूरा मामला

सिंगरौली जिले के माड़ा थाना अंतर्गत सखौहां गांव निवासी संदीप कुमार साकेत शक्तिनगर के एक ठेकेदार के यहां काम करता था। शुक्रवार की सुबह लोगों ने उसका शव बोदरा बाबा मंदिर के पास से गुजरे रेलवे लाइन के किनारे बिजली के पोल से लटकता देखा। उसके गले में रस्सी का फंदा बंधा था, उसका एक पैर का घुटना व दूसरा पैर जमीन पर था। घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लिया। पहचान के बाद सूचना परिजनों को दी। युवक के पिता भगवान ने पुत्र की हत्या की आशंका जताई है। उनका कहना था कि वह ठेकेदार से कुछ बकाया पैसा लेने की बात कह कर गुरुवार को घर से निकला था। शक्तिनगर के प्रभारी निरीक्षक कुमुद शेखर सिंह ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला खुदकुशी का लग रहा है, लेकिन पुलिस सभी पहलुओं की बारीकी से जांच कर रही है। सीओ पिपरी अमित कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए दुद्धी सीएचसी भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद घटना की असल वजह स्पष्ट हो जाएगी।

26 साल से कानूनी लड़ाई लड़ रहे शिक्षक को मय ब्याज मिलेंगे 1,25,92,090 रुपये, हाईकोर्ट ने दिया आदेश

प्रयागराज, संवाददाता। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बेसिक शिक्षा निदेशक को 26 साल से बकाया वेतन पाने के लिए कानूनी लड़ाई लड़ रहे शिक्षक का भुगतान एक हफ्ते में करने का निर्देश दिया है। ऐसा करने से विफल रहने पर 30 सितंबर को अदालत में अवमानना की कार्यवाही के लिए हाजिर रहने का आदेश दिया है। हैरान कोर्ट ने कहा कि अधिकारियों की लेटलतीफी की वजह से सरकार को ब्याज के रूप में 88 लाख रुपये भुगतान करना पड़ेगा। यह आदेश न्यायमूर्ति सलिल कुमार राय की अदालत ने बलिया के जूनियर हाईस्कूल के शिक्षक लक्ष्मण प्रसाद कुशवाहा की ओर से दाखिल अवमानना याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया है। याची की नियुक्ति मृतक आश्रित कोटे में दो जुलाई 1994 से जूनियर हाईस्कूल बलिया में हुई थी। तब से वह बिना वेतन के पढ़ा रहा था। हाईकोर्ट ने 22 अप्रैल, 2002 को याचिका मंजूर करके बीएसए को नियमित वेतन भुगतान का निर्देश दिया। साथ ही नौ प्रतिशत ब्याज के साथ बकाये वेतन का भुगतान तीन माह में करने का निर्देश दिया था। लेकिन, तत्कालीन बीएसए ने आदेश

का पालन नहीं किया।

इसके बाद याची ने एक अन्य याचिका 2009 में भी दाखिल की। उस पर भी मय ब्याज बकाये वेतन का भुगतान करने का आदेश हुआ। इसके बावजूद भुगतान नहीं हुआ। मजबूर शिक्षक ने 2009 में अवमानना याचिका दाखिल की, जो 14 साल बाद आज भी लंबित है। मामले की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने शिक्षा विभाग से जवाबी हलफनामा मांगा था। आदेश के अनुपालन में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, बलिया और बेसिक शिक्षा विभाग वित्त नियंत्रक व्यक्तिगत हलफनामे दाखिल कर बताया कि रिट कोर्ट के आदेश के अनुपालन के संदर्भ में बेसिक शिक्षा निदेशक को याची के बकाये 1,25,92,090/–रुपये स्वीकृत करने के लिए पत्र लिखा गया है। इसमें वेतन का बकाया और बकाया राशि पर ब्याज भी शामिल है। कोर्ट ने पाया कि निदेशक की स्वीकृति का अभाव में एक तरफ 14 साल से याची कानूनी लड़ाई लड़ रहा है। दूसरी ओर याची को मिलने वाली धनराशि का ब्याज 88 लाख रुपये से ऊपर जा चुका है। कोर्ट ने हैरानी जताई कि अधिकारियों की लापरवाही के कारण सरकार याची को 88 लाख रुपये का भुगतान करेगी। यह भुगतान देश के करदाताओं के रुपयों से होगा। कोर्ट ने बेसिक शिक्षा निदेशक को 30 सितंबर तक याची का पूरा बकाया ब्याज सहित भुगतान कर हलफनामा दाखिल करने निर्देश दिया है। अनुपालन न करने पर निर्धारित तारीख पर अवमानना का आरोप निर्मित कराने के लिए अदालत के हाजिर रहने का आदेश दिया है।

फॉर्च्यूनर–डिजायर से झारखंड से पूर्वांचल में गांजे की तस्करी

वाराणसी, संवाददाता। पुलिस की पकड़ में न आने के लिए लग्जरी वाहनों से गांजा की तस्करी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह के तीन तस्कर भदवर के पास से गिरफ्तार किए गए हैं। तीनों की पहचान झारखंड के पूर्वी सिंहभूम, जमशेदपुर के अजय आलोक मंडल, गड़वान पट्टी के मोहम्मद मंसूर आलम और वर्मा माइंस के चेतन मुखी के रूप में हुई है। तीनों के पास से एक फॉर्च्यूनर, एक स्विफ्ट डिजायर कार, 65.77 किलो गांजा, चार मोबाइल और 970 रुपये बरामद हुए हैं। तस्कर झारखंड से गांजा लाकर पूर्वांचल में खपाते थे। डीसीपी वरुणा जोन चंद्रकांत मीना ने बताया कि मुखबिर से एसओजी प्रभारी मनीष कुमार मिश्र को सूचना मिली थी कि बुधवार की रात लगभग 1:30 बजे गांजा की खेप लेकर कुछ तस्कर आएंगे। एसओजी प्रभारी ने अपनी टीम के दरोगा गौरव कुमार सिंह और रोहनिया थानाध्यक्ष विवेक कुमार शुक्ला ने भदवर में घेराबंदी की। पुलिस टीम ने फॉर्च्यूनर और कार से गांजा बरामद कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। बरामद गांजा की कीमत 10 लाख रुपये है। डीसीपी वरुणा जोन ने बताया कि कार्रवाई करने वाली पुलिस टीम को 15 हजार रुपये का इनाम दिया गया है।

पुलिस कभी पकड़ती नहीं थी, मुखबिरी से पकड़े गए

एडीसीपी वरुणा जोन सरवणन टी ने बताया कि पूछताछ में तीनों आरोपियों से पता लगा है कि झारखंड का नीरज कुमार उनके गिरोह का सरगना है। वाहन और गांजा वही देता था। नीरज एक ट्रिप का प्रति व्यक्ति 10 हजार रुपये देता था। नीरज फॉर्च्यूनर और डिजायर कार से इसलिए भेजता था क्योंकि हाईवे पर कहीं भी पुलिस चेक नहीं करती थी। वे कई बार बनारस, भदोही, मिर्जापुर, चंदौली और गाजीपुर में गांजा की खेप पहुंचा चुके हैं।

तीनों ने कहा कि उनके गिरोह में से ही किसी ने मुखबिरी की है और तभी वे पकड़े गए हैं।

खंगाला जा रहा नक्सल कनेक्शन, पहुंची आईबी

कमिश्नेट के वरुणा जोन के पुलिस अफसरों ने बताया कि तीनों आरोपियों का नक्सल कनेक्शन खंगाला जा रहा है।

तीनों आरोपियों के सरगना नीरज की गिरफ्तारी के लिए टीम झारखंड भेजी जाएगी। उधर, नक्सल कनेक्शन की जानकारी पाकर आईबी की एक टीम भी आरोपियों से पूछताछ करने पहुंची थी।

सड़क हादसे में दो लोगों की मौत

वाराणसी, संवाददाता। वाराणसी के छतेरी गांव में मैजिक की टक्कर लगने से बाइक सवार दो व्यक्ति सड़क पर गिर पड़े। उसी दौरान पीछे से आई तेज रफ्तार बोलेरो दोनों को कुचलते हुए एक पैदल राहगीर को भी टक्कर मारते हुए कछवा रोड की ओर तेजी से निकल गई। हादसे में बाइक सवार दोनों व्यक्तियों की मौत हो गई और पैदल राहगीर घायल हो गया। सूचना पाकर ग्रामीणों ने पीड़ित परिवारों के मुआवजे के लिए छतेरी गांव में कछवा से कपसेठी मार्ग पर जाम लगा दिया। हादसे और जाम की सूचना पाकर मिर्जामुराद थाने की पुलिस पहुंची तो ग्रामीण जिलाधिकारी को बुलाने की मांग करने लगे। मौके पर पहुंचे एसडीएम राजातालाब, एसीपी राजातालाब और थानाध्यक्ष मिर्जामुराद ने 5–5 लाख रुपये दोनों मृतकों के परिजनों को दिलाने का आश्वासन दिया। साथ ही, घायल की भी हरसंभव आर्थिक मदद के लिए कहा। तब जाकर दो घंटे बाद लगभग एक बजे जाम खत्म हुआ और दोनों के शव पोस्टमार्टम के लिए भिजवाए गए। ठटरा गांव का रहने वाला मनोज कुमार बिंद (42) सब्जी मंडी में पल्लेदारी करता था। उसके गांव का दीपे उर्फ दीपचंद बिंद (52) राजगीर था। बाइक से दोनों कपसेठी की ओर से अपने घर जा रहे थे। छतेरी मोड़ पर सड़क किनारे पेड़ की डाल लटकी होने के कारण सामने से आने वाले वाहन दिखाई नहीं देते हैं। दोनों की बाइक पर सामने से बांस लाद कर आ रही मैजिक की टक्कर लगने के कारण वह सड़क पर गिर पड़े और पीछे से आई हुई बोलेरो ने उन्हें कुचल दिया। बोलेरो ने ही ठटरा गांव के राजकुमार उर्फ बॉर्डर (45) को भी टक्कर मार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। परिजनों ने बताया कि मनोज कुमार बिंद का एक पुत्र और दो पुत्रियां हैं। दीपे उर्फ दीपचंद की चार पुत्रियां और दो पुत्र हैं। मिर्जामुराद थाने की पुलिस मैजिक को कब्जे में लेकर उसके चालक की तलाश कर रही है। मनोज कुमार बिंद की पत्नी उमा देवी की हालत बेसुधों जैसी थी। उमा देवी ने कहा कि उसके पति छतेरी गांव स्थित एजेंसी से चूल्हा और गैस सिलिंडर लेने गए थे। उसका ओटीपी घर के मोबाइल पर आया था। इसलिए वह ओटीपी मैसेज जानने के लिए घर आ रहे थे।

साान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9628325542, 9415034002

RNI NO - UPHIN/2022/86937

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।